



## चिंतन मनन

## सतर्कता अब भी जरूरी

कोरोना जैसी भयानक महामारी को लेकर अपने देश में इसकी निगरानी करने वाली सबसे बड़ी संस्था ने राहत भरी घोषणा की है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुख्य महामारी विशेषज्ञ ने भारत को अब कोरोना महामारी से मुक्त घोषित कर दिया है। अब भारत में कोरोना एंडेमिक कैटेगरी में पहुँच गया है। यानी यह वायरस तो हमारे आपके बीच मौजूद रहेगा, लेकिन अलग-अलग बदले हुए स्वरूप में होगा। जो अब अपने पुराने महामारी जैसे हालात में नहीं पहुँच सकेगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में जनजीवन और सामान्य होता जाएगा। हालाँकि अब पूरे देश को अगले कई सालों तक कोरोना वायरस के बदले हुए तमाम रूपों से दो चार होना ही पड़ेगा। यह दावा आईसीएमआर के मुख्य महामारी विशेषज्ञ डॉक्टर समीर पांडा ने किया है। वे कहते हैं कि देश में कोविड जैसी खतरनाक महामारी का अब अंत हो चुका है। आईसीएमआर के मुताबिक भारत में फिलहाल अब किसी भी तरीके का कोरोना वायरस का बड़ा खतरा नहीं दिख रहा है। जिस तरीके के मामले और आँकड़े सामने आ रहे हैं उससे अब इस बीमारी को एंडेमिक कैटेगरी में रखा जा रहा है। यानी अब यह बीमारी पूरे देश में सभी राज्यों के सभी शहरों, गाँवों, तहसीलों और कस्बों में अपना कहर बरपाने की स्थिति में बिल्कुल नहीं है। वह कहते हैं कि संभव है किसी राज्य में किसी शहर में मामले जरूर बढ़ें, लेकिन इसका प्रकोप एक साथ पूरे देश में अब देखने को नहीं मिलेगा। आईसीएमआर के पास मौजूद डाटा, तो इसी बात की तस्दीक कर रहा है। इसी के आधार पर अब कोरोना जैसी महामारी को एंडेमिक निपाह जैसी बीमारी के बराबर रखा गया है। बहुत से राज्यों ने मास्क लगाने की छूट दे दी है। वह कहते हैं कि आज के हालात के मुताबिक ऐसी छूट जरूर दी गई है, लेकिन लोगों को मास्क लगाना चाहिए। ऐसी कोई सुरत बनती इसलिए भी नहीं दिख रही है, क्योंकि जिन कुछ शहरों में कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट देखी जा रही थी, वहाँ उनकी तादाद फिर से बढ़ गई लगी है। कोरोना को तो हारना ही है, लेकिन कोशिश यह होनी चाहिए कि उस पर जल्द काबू पाया जाए। यह कोशिश केवल केंद्र और राज्यों के साथ उनकी विभिन्न एजेंसियों को ही नहीं करनी, बल्कि आम जनता को भी करनी है। सब जान रहे हैं कि कोरोना से बचाव का उपाय सेहत के प्रति सतर्कता, एक-दूसरे से दूरी बनाकर खाना और मास्क का इस्तेमाल करना है, लेकिन इसकी बावजूद लापरवाही देखने को मिल रही है। सबसे हैरानी की बात यह है कि मास्क का इस्तेमाल करने से या तो बचा जा रहा या फिर उसका ढंग से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा। कुछ ऐसी ही स्थिति सार्वजनिक स्थलों पर एक-दूसरे से दूरी बनाकर रखने के मामले में भी देखने को मिल रही है। यह जान-बूझकर खतरों की चपेट में आने वाला काम है। निःसंदेह कोरोना से डरने की जरूरत नहीं, लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं कि आवश्यक सावधानी का परिचय देने से इंकार किया जाए। चूंकि ऐसा किया जा रहा है, इसलिए कोरोना काबू में आता नहीं दिखता। समझना कठिन है कि लोगों को मास्क का सही इस्तेमाल करने में क्या परेशानी है? यह संतोष की बात अवश्य है कि कोरोना मरीज तेजी से ठीक हो रहे हैं और मृत्यु दर में गिरावट जारी है, लेकिन आखिर इसकी अनदेखी क्यों की जा रही है कि करीब 70 हजार लोग काल के गाल में समा गए हैं और इनमें वे भी हैं जिन्हें कोई गंभीर बीमारी नहीं थी? अच्छा हो कि लोग यह समझें कि यदि उनकी ओर से अपेक्षित सावधानी नहीं बरती गई तो कोरोना पर लगातार लगाते की कोशिशों पर पानी ही फिरेगा। कोरोना विषाणु के संक्रमण की कोई निश्चित प्रकृति नहीं रही है, इसलिए समय के साथ उसकी चपेट में बच्चे भी आ सकते हैं। इसलिए उन्हें भी टीकाकरण के जरिए सुरक्षित बनाया जाए। इसके अलावा, सरकार ने उन बुजुर्गों के लिए टीके की एहतियाती खुराक देने की घोषणा की है, जिन्होंने पहले दो खुराक ले ली है। माना जा रहा है कि चूंकि कोविड-19 से ग्रसित होने के लिहाज से बुजुर्ग ज्यादा संवेदनशील होते हैं, इसलिए टीके की दोनों खुराक के बाद तीसरी और एहतियाती खुराक लेने से कोरोना विषाणु के संक्रमण के खतरे से बचाव में ज्यादा मदद मिलेगी। हालाँकि पिछले कुछ समय से कोरोना विषाणु के संक्रमण की रफ्तार में काफी कमी आई है। मौजूदा हालात को देखते हुए इसे एक सीमा तक सुरक्षित स्थिति के तौर पर देखा जा रहा है।

## फिर भी परेशान !



गलत किया ना काम ।

फिर भी परेशान ॥

हुई जबरदस्ती ।

गिर गया सम्मान ॥

गलत को गलत ।

सबको था बताया ॥

मिली उसकी सजा ।

तंत्र ने सताया ॥

छानबीन कर के ।

होगा करना न्याय ॥

दोषियों को सजा ।

शायद यही उपाय ॥

लीपापोती ठीक नहीं ।

समय की पुकार ॥

हैं बैठे सब आस में ।

कब होगा उपचार ?

—कृष्णोन्द्र राय

## यूक्रेन: भारत ने मुँह खोला

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हमारे प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने कल यूक्रेन के बारे में जो बयान दिया है, वह विश्व राजनीति में भारत की छवि को तो बेहतर बनाएगा, वह रूस को भी अपनी पशुता से बाज आने के लिए शायद प्रेरित कर दे। तिरुमूर्ति ने यूक्रेन के शहर बूचा में हुए नर-संहार की दो-टुक शब्दों में भर्त्सना की

तटस्थता को अब दुनिया के राष्ट्र भारत का गूंगपान नहीं समझेंगे। भारत ने हालाँकि कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जब भी रूस का विरोध हुआ, भारत ने उसके समर्थन में मतदान नहीं किया लेकिन उसने हर बार यह कहा कि प्रत्येक राष्ट्र को संयुक्तराष्ट्र घोषणा पत्र का सम्मान करना चाहिए, हर नर-संहार की दो-टुक शब्दों में भर्त्सना की

ये दोनों आग्रह निरर्थक हैं। वे दुनिया के सबसे शक्तिशाली और मालदार देश हैं। उनके द्वारा की गई भर्त्सना का क्या असर हो रहा है? इसी तरह का काम अमेरिका ने अफगानिस्तान, लीबिया, एराक, वियतनाम और कोरिया में किया था। यूक्रेनी राष्ट्रपति झेलेंस्की ने सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए कहा है कि संयुक्तराष्ट्र यूक्रेन की

देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मकानों, दुकानों और दफ्तरों को भस्मीभूत कर दिया गया है। पूतिन के प्रवक्ता का कहना है कि ये सब किस्से मनगढ़ंत हैं। बूचा को रूसी फौजों ने खाली कर दिया, उसके एक हफ्ते बाद के ये फर्जी चित्र हैं। रूसी प्रवक्ता की इस मूर्खता पर किसे क्रोध नहीं आएगा? यदि रूसी नरसंहार इसी तरह जारी रहा तो

पूतिन और रूस की छवि दुनिया में इतनी गिर जाएगी, जितनी मुसोलिनी और हिटलर की भी नहीं गिरी थी। भारत ने बूचा को बूचड़खाना बनाने का जो विरोध किया, वह ठीक है लेकिन पूतिन को कोई समझाए कि यदि यही क्रूरता जारी रही तो कहीं चीन और भारत-जैसे देशों को भी उसके विरुद्ध अपना मुँह खोलना न पड़े जाए।



है। उन्होंने मांग की है कि इस नरसंहार की जांच की जानी चाहिए और इसे तुरंत रोकना चाहिए। उन्होंने नरसंहार करनेवाले रूस का नाम नहीं लिया। यह सावधानी उन्होंने जरूर रखी लेकिन यह स्पष्ट है कि उन्होंने रूसी फौज के अत्याचार की उतनी ही सख्त आलोचना की है, जितनी अमेरिका और यूरोपीय देश कर रहे हैं। अपनाए और रूस के विरुद्ध घोषित पश्चिमी कोई असर न पड़े लेकिन भारत की

चाहिए और अपने विवादों को युद्ध से नहीं, बातचीत से हल करना चाहिए। तिरुमूर्ति ने यही बात बूचा के नरसंहार पर बोलते ही रूस का नाम नहीं लिया। यह सावधानी उन्होंने जरूर रखी लेकिन यह स्पष्ट है कि उन्होंने रूसी फौज के अत्याचार की उतनी ही सख्त आलोचना की है, जितनी अमेरिका और यूरोपीय देश कर रहे हैं। अपनाए और रूस के विरुद्ध घोषित पश्चिमी कोई असर न पड़े लेकिन भारत की

सुरक्षा नहीं कर पाए तो उसको भंग क्यों नहीं कर दिया जाना चाहिए। जहाँ तक प्रतिबंधों का सवाल है, यह भी शुद्ध ढोंग है, क्योंकि रूसी तेल और गैस अब भी यूरोपीय राष्ट्र धड़ल्ले से खरीद रहे हैं। लेकिन यूक्रेन के विभिन्न शहरों को पूतिन का रूस जिस तरह तबाह कर रहा है, वैसा तो मुसोलिनी की इटली और हिटलर के जर्मनी ने भी नहीं किया था। यूक्रेन के विरुद्ध घोषित पश्चिमी शव पाए गए हैं। उन्हें टीवी चैनलों पर

## नौकरी पाने के लिए अपनी खूबियों को पहचानें

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर मेहनत करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप साक्षात्कार में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एगालिसिस करना होगा। इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें नौकरी ढूँढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

**विकल्पों पर रखें नजर-** आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्प कल्चर और हार्यंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं। **कम्युनिकेशन बढ़ाएं-** सोशल मीडिया वेबसाइट्स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पड़ेगा।

**अपनी खूबियों को पहचानें-** नौकरी ढूँढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएँ होनी चाहिए, ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

**रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए-** आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलॉड कंटेंट नहीं होना चाहिए। अपनी खूबियाँ संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे में खास तरीके से प्रस्तुति दें।

**विकल्पों पर रखें नजर-** आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्प कल्चर और हार्यंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

## महिलाओं की राजनीति में हिस्सेदारी जरूरी है

देश के ग्रामीण इलाकों में अक्सर देखा गया है कि महिलाओं को यदि कोई शारीरिक बीमारी होती है तो वो महिला डॉक्टर के पास जाना ज्यादा पसंद करती हैं उसका सबसे बड़ा कारण उनका सहजता से अपनी समस्या समझा पाना रहता है। ऐसा ही महिलाओं के द्वारा अपनी शिकायत महिला थाने में दर्ज कराना ज्यादा सहज दिखाई देता है जो अपनी बात महिला पुलिस से ज्यादा आसानी से कर पाती हैं। मुझे याद है कुछ समय पहले मैं पास के सरकारी अस्पताल में किसी काम से गयी थी। वहाँ एक 10-12 साल की उदास, निदा, डरी सहमी सी बच्ची एक महिला पुलिस कर्मी से कभी कुछ बात करती, कभी उसके काँध से लग जाती ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे वो उसकी बहुत नजदीक हो, पास ही खड़ा एक व्यक्ति पानी की बोतल हाथ में लिए बार बार उस महिला पुलिस से उसे पानी देने के लिए पूछ रहा था। वो बच्ची उस व्यक्ति की तरफ कम ही देख रही थी। शायद वो उस बच्ची का पिता था। मैंने कुछ देर बाद उस महिला पुलिस कर्मी से पूछा- क्या हुआ है इसे? क्या ये बच्ची आपकी कोई जानकार है? उसने मुझे उत्तर दिया- नहीं। मैं इस बच्ची को नहीं जानती। मैं बस अपनी ड्यूटी कर रही हूँ। शायद इस बच्ची के साथ कुछ गलत हुआ है। इसका मेडिकल टेस्ट होना है हम सभी

वर्तमान समय में महिलाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान ढूँढने के लिए हमें कई मुद्दों पर खुल कर बात करनी होगी। जिससे देश की आधी आबादी राजनीति में अपनी बराबर की दायेदारी पेश कर पाए। तभी सही मायने में महिलाओं से जुड़े शिक्षा, समाज, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दे हल हो

सकते हैं। आज देश आजादी के 75 साल का जश्न मना रहा है। आजादी के 75 साल बाद समाज में क्रांतिकारी बदलाव देखे जा सकते हैं। महिलाएं बढ़ चढ़ कर रोजगार में सहभागी बन रही हैं। महिलाएं मजदूर भी हैं और रिश्ता चालक भी साथ ही सरकारी नौकरी से सेना तक में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं लेकिन उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है। इससे उनकी समस्याएँ जो पहले घर में ही दफन हो जाती थी अब बाहर



समय रहते देश में महिलाओं का शिक्षा, व्यवसाय, सिविल सेवा, सेना और संसद में प्रतिशत बढ़ाना होगा। आजादी के 75 साल बाद भी महिलाएं आखिर कहाँ खड़ी हैं? जब हम इस विषय पर गौर करते हैं तो समाज में महिलाओं को लेकर कई चिंताएँ जाहिर होती हैं, कई समस्याएँ हैं जिनके सवाल दुनियाभर के समाज वैज्ञानिक तलाशने में लगे हैं हम महिला सशक्तिकरण को लेकर कितना ही अपनी पीठ थपथपा लें लेकिन हमें

गौर करना होगा कि अभी भी एन सी आर बी के आकड़ों में उछाल कम नहीं हुआ है उसका ग्राफ लगातार बढ़ रहा है जिसमें सुधार लाना समाज और सरकारों का अहम-मुद्दा होना चाहिए। इसके सुधार का एक रास्ता महिलाओं की सत्ता और सरकार में बढ़ती भागीदारी से भी होकर गुजरता है। अक्सर चुनाव के पहले महिलाओं के सत्ता में प्रतिनिधित्व पर बढ़ चढ़ कर बहस होती है लेकिन चुनाव आते आते महिलाओं की हिस्सेदारी कई वजहों से कम होने लगती है, ज्यादातर राजनीतिक दलों से उन्हें उम्मीदवादा नहीं बनाया जाता, सबकी अपनी अपनी दलीलें होती हैं जिसका सीधा परिणाम सरकार में उनकी हिस्सेदारी कम कर देती है। हमें इस विषय पर खुल कर सोचना होगा। महिलाएं जब किंग मेकर हो सकती हैं तो फिर किंग क्यों नहीं?

वर्तमान समय में देश के 28 राज्यों में से केवल एक राज्य में ही महिला मुख्यांश है। देश में ममता बनर्जी, जयललिता, मायावती, सुषमा स्वराज, नजमा हिपतुल्ला आदि अनेकों महिलाओं ने आपने राजनैतिक जुड़ाव प्रतिनिधित्व से यह साबित किया है की वो समाज, प्रदेश और राष्ट्र का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकती हैं, लेकिन फिर भी आजादी के 75 साल पूरे होने के पड़ाव पर हमें केवल एक

ही महिला प्रधानमंत्री मिली और वो भी मजबूत राजनैतिक परिवार से संबंध रखती थी। संभवतः यदि वो भी किसी सामान्य परिवार से होती तो हम अभी भी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री की कमी को भरने के इंतजार में होते। देश की महिलाओं ने अपनी काबिलियत से राष्ट्रपति, वित्तमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल जैसे जिम्मेदार पदों को बखूबी संभाला है।

निश्चित तौर पर अभी हाल ही में देश के पांच राज्यों में हुए विधान सभा चुनावों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है। पंजाब में पहले के मुताबिक महिलाओं की दोगुनी संख्या हो गयी है। पंजाब में 117 सीटों में 13 महिला हैं जबकि पहले केवल 6 थी। उत्तर प्रदेश में 403 सीटों में 46 महिलाओं को चुना गया है। उत्तराखंड में 70 सीटों में 8 महिलाएँ हैं, मणिपुर में 60 सीटों में 5 महिलाएँ चुनी गईं और गोवा में 40 सीटों में 3 महिलाएँ ही आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करेंगी। आजादी की पहली जंग में तलवार से बंदूक तक, स्वतंत्रता की लड़ाई में खुफिया तंत्र से पैदल मार्च तक, लाटियों से लेकर गोलियों तक खाने में महिलाओं ने बराबर से सहभागिता की है। इतिहास के पन्नों में दर्ज घटनाएँ इस बात की तसदीक करती हैं लेकिन अभी भी उनका आधा प्रतिनिधित्व पाना बाकी है।

## हिंदी पट्टी की पार्टी से हिंदुस्थान की पार्टी बनी भारतीय जनता पार्टी

आज से बयालीस वर्ष पूर्व सन 1980 में 6 अप्रैल के दिन भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। किसी भी दल के लिए उसका स्थापना दिवस विशेष महत्व का दिन होता है। इस अवसर पर अपनी उपलब्धियों की चर्चा के साथ भविष्य के लक्ष्य पर कार्यकर्ताओं संग भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारियों का संवाद उसके जीवन्तता का परिचायक है। राजनीतिक चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं विचार परम्परा से स्वयं को सम्बद्ध रखते हुए एक स्वप्न देखा तथा समकालीन परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना भारत के मूल स्वभाव एवं चरित्र के अनुकूल अपने अंदर भारतीयता की ज्योति को जनसंघ के रूप में प्रज्वलित रखा। कालांतर में इसी जनसंघ का रूपांतरण भारतीय जनता पार्टी के रूप में हुआ। भारत रत्न पण्डित अटल बिहारी वाजपेयी तथा लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में प्रारम्भ राजनीतिक यात्रा हस्तगत होते हुए कई पड़ाव पार कर नरेंद्र मोदी, अमित शाह तथा जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। जब राष्ट्र द्रुत गति से आत्मविस्मरण की ओर बढ़ रहा था और सत्ता का सुखभोग राजनीतिक दलों की सर्वोच्च प्राथमिकता बन चुका था। ऐसी परिस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में पुनः स्व के जागरण का बोध भारतीय जनमानस को हुआ। परिणामस्वरूप श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुबारा प्रचंड बहुमत की सरकार बनी। जिस स्व के जागरण से स्वतंत्रता प्राप्त हुई

स्वराज्य मिला उसी स्व के जागरण से भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह देश सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास तथा सबके प्रयास का मंत्र लेकर बढ़

सुखभोग का साधन नहीं। यद्यपि अपने देश में अनेकों राजनीतिक दल सक्रिय हैं परंतु भारत का राजनीतिक चिंतन मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित है। एक ओर राष्ट्रवादी शक्तियाँ हैं तो

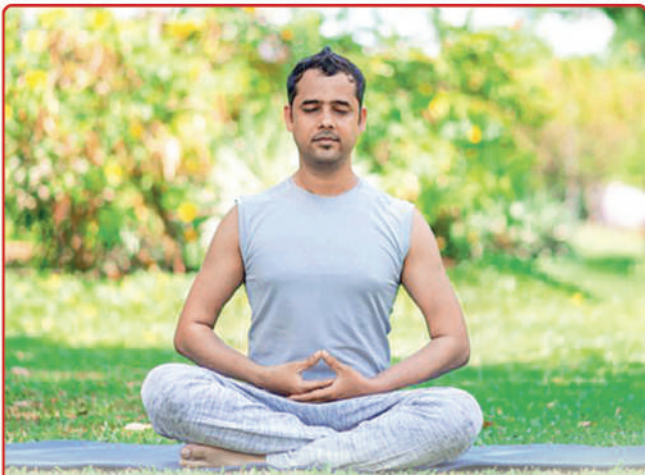
दूसरी तरफ छद्म राष्ट्रवादी विचारधारा वाले लोग। इसे कुछ लोग वामपंथी और दक्षिणपंथी के रूप में भी चिन्हित करते हैं। भारतीय जनता पार्टी का चाल, चरित्र, चिंतन, चेहरा सब भारतीय है। राष्ट्रवादी विचार धारा का प्रतिनिधित्व करने वाले इस दल ने प्रामाणिक कार्य शैली से मूल्य

आधारित नई कार्य संस्कृति की आधारशिला रखा है। लम्बे समय तक सत्ता का सुखभोग करने वाली कांग्रेस से अलग हटकर वर्चस्ववादी राजनीति, धर्मनिरपेक्षता के नाम होने वाले धार्मिक तुष्टीकरण की राजनीति, प्रधानमंत्री की कोख और कुचबे से प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष पैदा होने वाली परम्परा को समाप्त करने का काम भाजपा ने किया। भाजपा ने परिस्थिति चाहे जो भी रही हो कभी अपने मुद्दों को छोड़ा नहीं चाहे वह धारा 370 हो, राममंदिर का मुद्दा हो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या अत्योदय को साकार करना रहा हो। अटल जी ने कहा था कि यह 365 दिन चलने वाली पार्टी है केवल चुनाव में कुकुरमुत्ते की तरह खड़ी होने वाली पार्टी नहीं है। किसी जमाने में भाजपा को सांप्रदायिक पार्टी, हिंदी पट्टी की पार्टी के रूप में पहचाना जाता था लेकिन आज यह दल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता के साथ सर्वस्पर्शी संगठन के रूप में सवा सौ करोड़ देशवासियों की सेवा में लगा हुआ है। भाजपा ने अपने बयालीसवें स्थापना दिवस पर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश सहित चार राज्यों में दुबारा वापसी की है। भारत वर्ष के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार यदि किसी गैर कांग्रेसी दल के राज्यसभा सदस्यों की 100 के पार पहुंची है तो वह कीर्तिमान भी भाजपा के नाम अंकित हुआ है। विश्व के सबसे विशाल राजनीतिक संगठन के रूप में भाजपा को स्थापना दिवस पर अनेकशः शुभकामनाएँ।

डॉ. सत्योष कुमार मिश्र



रहा है। भारतीय जनता पार्टी का निशान कमल का फूल है। कमल की पत्ती जल के ऊपर तैरती रहती है, अगर वह जल से विलग होगी तो सूख जाएगी तथा जल में डूबेगी तो सड़ जाएगी। लेकिन जल में तैरते हुए कमल के खिलने में सहायक होती है। भाजपा के लिए सत्ता सेवा का माध्यम है



## जब पहली बार लगाएं ध्यान

यह तो हम सब खूब पढ़ते और सुनते हैं कि ध्यान यानी मेडिटेशन, मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन ये फायदे तभी मिलते हैं, जब इसे सही ढंग से लगाया जाए। क्या है इसका तरीका, जानिए।

पहली बार ध्यान लगाने की कोशिश करने वाले 99 फीसदी लोगों का कहना होता है कि उनसे ध्यान लगता ही नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि तनाव को दूर करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने वाला यह अभ्यास करते-करते आता है। इसलिए इस बात से कभी भी परेशान ना हो कि ध्यान लगाना शुरूआत में मुश्किल है। इसके लिए कुछ बातें समझ लें।

### ध्यान लगाने से पहले

सबसे पहले घर में एक ऐसी जगह या कमरा ढूँढें जिसमें दरवाजे और खिड़कियाँ हों, हवा आर-पार आती जाती हो, लेकिन शोर-शराबा ना हो। वहाँ हल्का-सा प्राकृतिक प्रकाश आए तो बहुत अच्छा है। अगर ऐसा संभव ना हो तो हल्के सफेद या हल्के पीले प्रकाश में बैठें। इसके बाद एक छोटी-सी चटाई लें, अगर चटाई पर बैठने में कोई दिक्कत हो तो लकड़ी की कुर्सी ले सकते हैं। कुर्सी या चटाई पर अच्छी तरह से बैठें। जो भी आसन चुनें, यह सोचकर कि उसमें आप 25 से 30 मिनट सहजता से बैठ पाएंगे। जब भी ध्यान करने की सोचें तो ऐसे समय को चुनें, जब दूसरे दैनिक कार्यों को करने का दबाव ना हो। इस समय फोन को पूरी तरह से बंद कर दें।

### ऐसे करें शुरुआत

अब आरामदायक स्थिति में बैठ जाएं। बैठने के बाद कंधों को ढीला छोड़ें। सांस लें और सांस लेते हुए अपने कंधों को कान की ऊंचाई तक ऊपर ले जाने की कोशिश करें। फिर

धीरे-धीरे सांस छोड़ें कंधे वापस अपनी जगह पर आ जाएंगे। इस दौरान कमर को बिल्कुल सीधा रखें और हाथ अपनी गोद में रखें। आंखें मूंद लें और शून्य में ध्यान लगाएं। इस दौरान बायां हाथ दाएं हाथ में हो और हथेली ऊपर की तरफ हो, बाएं हाथ का अंगुठा इस दौरान दाएं हाथ के अंगुठ पर इस तरह होना चाहिए। मानो आप किसी छोटी-सी चीज को हथेलियों की गोद में झुला झुला रहे हों। कुछ मिनटों के बाद आपकी आंखों के सामने शून्य में एक वृत्त बनता दिखेगा। आपको धीरे-धीरे इसमें अंदर जाने और डूबने का अहसास होगा। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान हल्की-सी बेहोशी या निद्रा का आभास होगा। लेकिन शरीर को पूरी तरह से निष्क्रिय रखें, चेतन्य होने का बिल्कुल प्रयास ना करें।

### एक बिंदु पर हों केंद्रित

कुछ लोगों को समझ में नहीं आता कि ध्यान किस चीज पर लगाएं? आप कहीं पर भी ध्यान लगा सकते हैं। किसी पेड़ पर, किसी पक्षी पर, शून्य पर या किसी भी जगह और इसमें ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें। आप अपने सामने की खाली दीवार पर एक टुकटुक देखते हुए नजर गड़ा सकते हैं। एक बात को बहुत अच्छी तरह से जान लें कि सही तरीके से शांत बैठने और संतुलित ढंग से सांस लेने की कोशिश ही ध्यान है। अगर ध्यान लगाने की कोशिश में मन भटकता हो तो 10 से उल्टी गिनती गिनना शुरू करें और फिर अपना ध्यान गिनतियों की ओर लगाएं। अगर शुरू में ध्यान में बैठने का समय 10 से 15 मिनट भी रहता है तो भी बुरा नहीं है, लेकिन इसे बढ़ाया जाना जरूरी है। \*

आज चिकित्सा विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है, प्रिवेंटिव स्क्रीनिंग से लेकर उपचार की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। लेकिन इतना सब होने के बावजूद मानसिक और शारीरिक रोगों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इसका सबसे प्रमुख कारण हमारी जीवनशैली में मानव निर्मित चीजों का बढ़ता इस्तेमाल, प्रकृति से दूरी और बढ़ता प्रदूषण है। लोग सारा दिन कृत्रिम रोशनी में समय बिताते हैं, प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं, अपॉस्टिक भोजन करते हैं और मशीनों-गैजेट्स के बढ़ते इस्तेमाल के कारण निष्क्रिय जीवनशैली जीते हैं। कोरोना महामारी ने यह साबित कर दिया है कि स्वस्थ जीवन के लिए हमें प्रकृति के साथ अपना तारतम्य पुनः स्थापित करना होगा।

### प्रदूषण का दुष्प्रभाव

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज विश्व की 92 प्रतिशत जनसंख्या उन क्षेत्रों में रह रही है, जहाँ वायु प्रदूषण, डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित सुरक्षा सीमाओं से अधिक है। इससे ना केवल धरती और प्रकृति की सेहत बिगड़ती है, इसका प्रभाव हमारे शरीर के प्रत्येक अंग की कार्यप्रणाली पर भी पड़ता है। इससे कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है, साथ ही समयपूर्व बुढ़ा



होने की प्रक्रिया भी तेज होती है।

**बचाव के उपाय:** इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अधिक प्रदूषण वाली जगहों पर जाने से बचें, जाना जरूरी हो तो मास्क का इस्तेमाल करें। घर की हवा को साफ रखने और इनडोर पॉल्यूटेंट से बचने के लिए एयर प्युरिफायर लगावाएं। घर की हवा को शुद्ध करने वाले इनडोर प्लांट्स भी लगाएं। जहरीला धुआँ फैलाने वाले संसाधनों के बजाय इकोफ्रेंडली साधनों का उपयोग करें। अधिक से अधिक पौधे लगाएं।

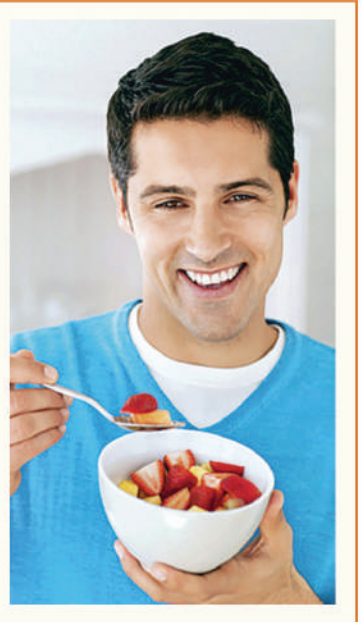
### प्रोसेस-जंक फूड्स

बदली जीवनशैली ने लोगों को इतना व्यस्त बना दिया है कि वो घर पर बने खाने के बजाय रेडी टू ईट फूड्स या इंस्टेंट फूड्स खाना पसंद करते हैं। प्रोसेसड फूड या इंस्टेंट फूड्स खाना पसंद करते हैं। प्रोसेसड फूड आइटम्स को खाना बड़ा सुविधाजनक होता है। डिब्बाबंद जूस, बेकरी आइटम्स, रेडी टू ईट मील्स ने लोगों को कुछ सवूलियत दी है, लेकिन सेहत के लिए खतरा बढ़ा दिया है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार जंक फूड्स का सेवन मोटापे सहित कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ा देता है। इनमें कैलोरीज तो काफी मात्रा में होती हैं, लेकिन न्यूट्रिशन वैल्यू बिल्कुल नहीं होती है। ऐसे फूड्स के निर्माण, पैकेजिंग और संरक्षण में नेचर के लिए हार्मफुल चीजों का यूज किया जाता है।

**बचाव के उपाय:** प्रोसेसड और जंक फूड्स के सेवन

आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है। डब्ल्यूएचओ ने इस बार की थीम 'हमारा वह, हमारा स्वास्थ्य' निर्धारित की है। यानी हम सबका स्वास्थ्य और हमारे वह (पृथ्वी) का स्वास्थ्य एक-दूसरे पर निर्भर करता है। बढ़ते प्रदूषण, गैजेट्स और उपकरणों के बढ़ते इस्तेमाल और प्रोसेस-जंक फूड्स के अधिक चलन से हम अस्वस्थ होते हैं, धरती पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में दोनों के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर प्रयास किए जाने की जरूरत है।

# नेचर के साथ ही करें हम अपनी हेल्थ केयर



से बचें। सब्जियों और फलों को उनके प्राकृतिक रूप में खाना अच्छा रहता है। अपने डाइट चार्ट में सलाद और फ्रूट चाट को जरूर शामिल करें। एक दिन में तीन बार मेगा मील्स खाने की बजाय छह बार मिनी मील्स खाएं। मील स्किप ना करें, हर तीन-चार घंटे में कुछ खाते रहें। पानी के अलावा दूसरे तरल पदार्थों जैसे- नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ या सूप आदि का सेवन भी करें। ये पोषकता से भरपूर होते हैं। दालें, फलियां, अंडे और साबुत अनाज का सेवन करें। ये शरीर को पोषण तो देते ही हैं, पेट भरने होंगे ना

अहसास भी दिलाते हैं, जिससे जंक फूड्स आदि खाने का मन नहीं करता है।

### गैजेट्स का ओवरयूज

आज लैपटॉप, स्मार्टफोन, ई-रीडर्स, टैबलेट्स और डेस्कटॉप जैसे गैजेट्स के साथ लोग रोजाना घंटों बिताते हैं। इन्हें इस्तेमाल करते समय जरूरी सावधानियां भी नहीं रखते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो गैजेट्स का बढ़ता इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए खतरा बनता जा रहा है। इनकी वजह से

आर्टिफिशियल लाइट का एक्सपोजर अत्यधिक बढ़ रहा है। इंटरनेशनल डॉक स्काय एसोसिएशन के अनुसार कृत्रिम रोशनी हमारी सेहत को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। इससे मोटापे, अवसाद, नींद संबंधी विकारों, डायबिटीज, स्तन कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनके अधिक



यूज से इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट्स और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स से धरती और इसके वातावरण को नुकसान पहुंचता है। **बचाव के उपाय:** सप्ताह में एक बार डिजिटल डिटॉक्स जरूर करें। उस दिन गैजेट्स का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें या बहुत ही कम करें। कुछ समय प्रकृति के करीब बिताएं। ताजी हवा में सांस लें। सूरज की रोशनी को अनुभव करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि इससे हमारे स्वभाव पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सुबह या शाम के समय किसी पार्क या बागीचे के खुले-खुद वातावरण में कुछ समय बिताएं। इन बातों पर अमल करके हम हेल्दी रह सकते हैं और अपनी धरती-प्रकृति को भी स्वस्थ रख सकते हैं। \*

### बनाए रखें शारीरिक सक्रियता

आज की भागम-भाग वाली जीवनशैली में शारीरिक सक्रियता काफी कम हो गई है। लोग लगातार घंटों बैठे रहते हैं। यह समस्या केवल ऑफिस में काम करने वाले लोगों तक ही सीमित नहीं है। बच्चे और युवा पढ़ाई के कारण घंटों बैठे रहते हैं, जो समय बचता है उसे या तो वो टीवी के सामने बिताते हैं या कंप्यूटर और मोबाइल के साथ। कुछ दूरी तय करने के लिए गाड़ी का यूज और सीढ़ी के बजाय लिफ्ट, एक्सलेटर का प्रयोग करने से शारीरिक गतिविधियां कम हो गई हैं। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि अधिकतर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण लंबे समय तक बैठे रहना और शारीरिक गतिविधियों की कमी है। इससे बचने के लिए काम के बीच थोड़ी-थोड़ी देर का ब्रेक लें। इस दौरान स्ट्रेचिंग करें या थोड़ी देर वॉकिंग करें। लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। बाजार में पैदल घूम-चूमकर शॉपिंग करें। अपने घर के कामों में रुचि लें, घर की साफ-सफाई, बागवानी आदि खुद करें। नियमित रूप से योग और एक्सरसाइज करें। वीकेंड प्लानिंग में भी आउटडोर एक्टिविटीज को शामिल करें जैसे- साइकलिंग, ट्रेकिंग, स्विमिंग, कोई आउटडोर स्पोर्ट्स। \*



कमी के कारण 50 साल की उम्र के बाद हड्डियां कमजोर होने लगती हैं।

**नाखूनों पर वर्टिकल लाइंस बनना :** कई बार नाखूनों की जड़ से लेकर आगे तक वर्टिकल लाइनें दिखाई देती हैं। ये लाइनें अलग-अलग रंगों की होती हैं। सफेद शरीर में प्रोटीन, कैल्शियम, जिंक और विटामिन की कमी का संकेत देती हैं। लाल शरीर में किसी अंदरूनी चोट को दर्शाती हैं। नीलीं हाई ब्लड प्रेशर, रक्तवाह से होने वाली बीमारियों की ओर इशारा करती हैं। डार्क पर्यल लाइनें लंस और लिंवर संबंधी बीमारियों का संकेत देती हैं। ब्लैक या ब्राउन लाइंस, मेलांनोमा कैंसर का लक्षण हो सकती हैं। अगर ये धारियां नाखून की चौड़ाई में हों तो नाखून बढ़ना बंद हो जाते हैं। ये धारियां शरीर में किडनी, थाइरॉयड या डायबिटीज का संकेत करती हैं। नाखूनों की ऐसी स्थिति में पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। डॉक्टर से कंसल्ट करें। **नाखूनों पर सफेद धब्बे होना :** यह स्थिति शरीर में पोषक तत्वों की कमी या एनीमिया का संकेत देते हैं। कई बार लिंवर, किडनी की समस्याओं और स्ट्रेस या डिप्रेशन में भी नाखूनों पर ऐसे सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। **नाखूनों का पीला पड़ना :** पीले नाखून, फंगल इंफेक्शन या जॉइंट्स का संकेत देते हैं। अगर नाखून बहुत सख्त और मोटे हो गए हैं, तो यह फंगल इंफेक्शन को दर्शाता है। फंगल इंफेक्शन से बचने के लिए रेगुलर ट्रिमिंग और साफ-सफाई का ध्यान रखें। \*

हालांकि अब देश में कोरोना की तीसरी लहर का असर ना के बराबर रह गया है, रोजाना कोविड संक्रमण के नए केसों की संख्या एक हजार से भी कम हो गई है, कई वैज्ञानिक अध्ययन भी बताते हैं कि चौथी लहर आने की संभावना कम है और अगर आती भी है तो इसका असर बहुत कम होगा। इसीलिए कोरोना संबंधी पाबंदियां भी हटा ली गई हैं। लेकिन डॉक्टरों की सलाह है कि हमें अभी पूरी तरह लापरवाह नहीं हो जाना चाहिए। दरअसल, इन दिनों इसकी चौथी लहर से चीन और ब्रिटेन परेशान हैं। चीन में डेली दस हजार से अधिक नए केस सामने आ रहे हैं और कई शहरों में लॉकडाउन लगा दिया गया है।

**नए वेरिएंट के लक्षण :** स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक चीन में कोरोना की चौथी लहर ओमीक्रॉन के नए वेरिएंट ba.2 के कारण आई है। यह फेफड़ों की बजाय पेट को निशाना बना रहा है। इसके लक्षणों में पेट दर्द, सीने में जलन, गैस, पेट फूलना, जी मिचलाना, डायबिया जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं बजाय ब्रीदिंग प्रॉब्लम या खांसी के। यूके में हुए एक अध्ययन में भी ऐसा पाया गया है। **पहचानना है मुश्किल:** वैसे तो भारत में तीसरी लहर के दौरान भी बीए.2 की उपस्थिति देखी गई लेकिन तब यह नसोफैरिंगल एरिया को ही ज्यादा प्रभावित कर रहा था। नए वेरिएंट ba.2 के लक्षण को देखकर चिकित्सक चिंतित हैं। उनका मानना है कि इस वेरिएंट के वायरस को क्लिनिकली पहचानना काफी मुश्किल काम है। इसके लक्षण भी काफी अलग और चौंकाते वाले हैं। इसे स्टूल टेस्ट या आरटीपीसीआर टेस्ट आदि से भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। इसके केस में अकसर नाक और मुँह की जांच की रिपोर्ट नैगेटिव आती है जबकि मरीज काफी परेशान रहता है। अब तक कोरोना की जांच मुख्य रूप से नाक और मुँह पर ही आधारित रही है। इसलिए जांच को अब पाचन तंत्र पर भी केंद्रित करना पड़ेगा और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम पर ध्यान देना होगा। सबसे ज्यादा परेशानी की बात यह है कि बाद में यह पेट से वापस रेस्पिरेट्री ट्रैक्ट पर भी अटैक कर सकता है। कुछ मरीजों में ba.2 या स्टीलथ ओमीक्रॉन के लक्षणों में बुखार, खांसी, सिर दर्द, मांसपेशियों में थकान और ढीलापन बड़ी हुई हार्ट रेट आदि भी देखे जा रहे हैं।

अब देश में कोरोना से जुड़ी पाबंदियां लगातार खत्म की जा चुकी हैं, लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि अभी हमें पूरी तरह लापरवाह नहीं हो जाना चाहिए। वे ऐसा क्यों कह रहे हैं और कोरोना की चौथी लहर की आशंका क्यों बनी है, इस बारे में हमें पता होना चाहिए।

## बरकरार है कोरोना का डर ना हो जाएं पूरी तरह लापरवाह



**वीक हो सकता है नया वेरिएंट:** हाल ही में कोरोना के ba.1 और ba.2 स्ट्रेन्स का मिश्रण भी पाया गया है। ये ओमीक्रॉन के सब वेरिएंट हैं। इसके कमजोर होने की संभावना है। इसके संक्रमण में कॉमन कोल्ड के लक्षण रहते हैं। इसलिए मरीज को हस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ती है। लेकिन अगर यह तेजी से फैला तो स्थिति बिगड़ सकती है। बुजुर्गों या पहले से कोरोना की मार झेल चुके लोगों के लिए यह घातक हो सकता है। इसके लक्षण बुखार, सिर दर्द और मसल डिस्टॉफी है। **प्लुरोना का भी खतरा:** कोरोना की मार से लाखों लोगों का इम्यूनिटी सिस्टम कमजोर हो चुका है। ऐसे लोग बड़ी आसानी से प्लुरोना का शिकार हो रहे हैं। यह इन्फ्लूएंजा और कोविड का डबल इनफेक्शन है। इसमें छाती में इंफेक्शन और दर्द, ब्रीदिंग प्रॉब्लम, बुखार, सिर दर्द आदि देखे जा रहे हैं। यह कोरोना का कोई प्रमाणित वेरिएंट नहीं है, मगर इसका असर गंभीर है। \*

नाखून हमारे स्वास्थ्य का आईना होते हैं। नाखून केरटिन नामक तत्व से बने होते हैं। शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने पर इसकी सतह प्रभावित होने लगती है, जिससे नाखून का रंग और इसका रूपाकार बदल जाता है। यह शरीर के अंदर होने वाली कमियों और भविष्य में होने वाली बीमारियों का संकेत देते हैं। नाखून में होने वाला कोई भी बदलाव अनकोसिया कहलाता है। जिन्हें खान-पान, जीवनशैली में सुधार करके और डॉक्टर से सलाह करके नियंत्रित किया जा सकता है।

**नाखूनों का दरदरा होना :** अगर आपके नाखून दरदरे हैं तो संभव है कि कुछ समय बाद आपके बाल भी गिर सकते हैं। नाखूनों का दरदरा होना थाइरॉयड या लिंवर की बीमारियों का संकेत देता है। नाखून की यह स्थिति शरीर में बायोटिन नामक तत्व की कमी का संकेत देता है। ऐसे में आप आहार में तला-भुना या जंक फूड की बजाय संतुलित और पोस्टिक भोजन लें।

**नाखूनों का फटना:** फटते हुए नाखून, शरीर में आयरन की कमी का संकेत देते हैं। इससे कम उम्र में ही नजर कमजोर हो सकती है और चश्मे का नंबर बहुत जल्दी बदलता है। आयरन की कमी को पूरा करने के लिए सेब,



केला, अमरूद और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना चाहिए। **मूलायम और टेढ़े नाखून :** अगर कोई भी चूला नाखून से पकड़ने पर वो टूट जाए तो यह शरीर में कैल्शियम की कमी का इशारा करता है। ध्यान ना दिए जाने पर व्यक्ति की भविष्य में जोड़ों, पैरों और कमर में दर्द की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। कैल्शियम की कमी को दूर करने के लिए दूध, दूध से बने पदार्थ और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें।

**बहुत पतले नाखून :** पतले नाखून शरीर में विटामिन डी की कमी का संकेत देते हैं। इसकी वजह से भविष्य में व्यक्ति को थकान महसूस होना, सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में सांस फूलना और मुट्ठी की ग्रिप कमजोर होनी शुरू हो जाती है। इसके लिए आपको धूप में रोजाना कम से कम 20 मिनट बैठना चाहिए। **नाखून के किनारे की खाल फटना:** ऐसी स्थिति शरीर में कैल्शियम और बायोटिन की कमी से होती है। जिसकी वजह से कभी-कभी हाथों में झुनझुनाट होती है। शरीर की तेल ग्रंथियां एक्टिव होने लगती हैं। शरीर पर मुंहासे या दाने निकलने शुरू हो जाते हैं। मसल्स में दर्द रहता है और हड्डियां धीरे-धीरे कमजोर होना शुरू हो जाती हैं। आमतौर पर कैल्शियम और बायोटिन की

लगातार गंजोपन को दूर करता है।

दांत दर्द से आराम के लिए इसके बीजों का धुआं दांतों पर लगाया जा ताजे पत्तों को मसल कर निकाले रस को प्रभावित दांत पर लगाने से राहत मिलती है। इसके पत्ते, जड़, छाल और फलों का काढ़ा बना कर कुल्फा करने से भी दांत दर्द में आराम मिलता है। **पुराने श्वास रोग (अस्थमा) में इसके काढ़े में जरा-सी धुनी होंग और जरा-सा सेंधा नामक मिलाकर पीना लाभकारी है। इसके काढ़े में जरा-सी धुनी होंग और शहद भी मिला कर पीना हितकर है।** **महिलाओं के रोग जैसे- असमय गर्भ गिरना, गर्भावस्था में उल्टी आना, भूख की कमी के लिए इसका जड़, पत्ते, छात, फूल और टहनियों सब को कूट पीस कर काढ़ा बनाते समय पांच सात मुक्का डाल कर पिलाना हितकर है।** यहां बताए गए उक्त सभी उपाय, उपचार सामान्य हैं। प्रयोग करने से पहले अपने वैद्यजी से सलाह अवश्य करें। \*

## बहुरोगनाशक कंटकारी



कर माथे पर लेप लगाया फायदेमंद है। **इसके पत्तों के रस में शहद मिला कर धीरे-धीरे सिर पर मलना, सफेद कंटकारी के फूल और शहद मिला कर**

### औषधीय पौधा

प्रकृति के खजाने का अनमोल रत्न कंटकारी का पौधा, कई बीमारियों से बचाने में सक्षम है। यह बिना किसी खाद, पानी और जहां-तहां अपने आप उग जाता है। गर्मी-सर्दी के प्रकोप से यह पौधा बेअसर रहता है। यह बहुत ही उपयोगी जड़ी बूटी है। इसे कई नामों धावनी, धुन्न, रंगनी, कटाली, कटेरी, भटकटैया, पुड़ाचुंट, येलोबेरीड नाइट शेड और कटली आदि से जाना जाता है। इसके पत्ते हरे, फूल नीले-बैंगनी या सफेद-पीले रंग के होते हैं। इसके पत्ते कांटी से लदे होते हैं।

गर्म तासीर वाली कंटकारी खांसी के इलाज में बहुत लाभकारी है। यह पाचनशक्ति को प्रबल कर सांघ रोगों में भी बहुत लाभकारी है। इसका सेवन पित्त संबंधी विकारों को दूर करता है। इसमें प्रोटीन, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस आदि पोषक तत्वों की मात्रा भी भरपूर पाई जाती है। **ऐसे करें सेवन :** भाग-दोड़ के जीवन में सिर दर्द होना स्वाभाविक है। सिर दर्द होने पर इसके फल का रस निकाल



# अहमद मुर्तजा की मानसिक हालत का ध्यान रखें सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृहण गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर के बाहर सुरक्षा कर्मियों पर हमले को लेकर राजनीति गर्मा गई है। दरअसल, इस हमले का आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी को लेकर अखिलेश यादव ने बयान दिया है। अखिलेश यादव के बयान पर केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। दरअसल, अखिलेश यादव ने अहमद मुर्तजा अब्बासी के मानसिक हालात को ध्यान रखने का आह्वान किया और बीजेपी सरकार की आलोचना की। इसी को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के नेता पर पलटवार किया है। दरअसल, अखिलेश ने कहा कि अभी जो जानकारी आ रही है और उसके पिता ने जो कहा है उसके हिसाब से मुर्तजा को दिमागी समस्याएं थीं। उसके साथ बाइपोलर समस्याएं थीं। मुझे लगता है कि इस पहलू को भी देखना पड़ेगा। भाजपा तो वह पार्टी है जो बात को ना जाने कितना खींच देती है। दरअसल, अखिलेश यादव का यह



ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर पर जो हमला हुआ, वह गंभीर घटना है। जांच में जुटी पुलिस का मनोबल तोड़ने और ऐसे अपराध करने वालों का मनोबल बढ़ाने का प्रयास

अखिलेश यादव द्वारा किया गया। उन्हें ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। मैं उनके बयान की भत्सना करता हूँ। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी को हमेशा से आतंकवादियों से जोड़ा गया है। उन्होंने 2013 के आतंकी हमलों के मामले वापस ले लिए थे। मैं आतंकवादियों का मनोबल बढ़ाने के उनके प्रयासों की निंदा करता हूँ। केशव मौर्य ने आगे कहा कि अखिलेश को एक आरोपी पर खुलेआम टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। वह पूर्व सीएम हैं। हमारे सुरक्षाकर्मियों ने उसे आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने के बाद अपनी जान जोखिम में डालकर पकड़ लिया।

उनका बयान सस्ता और निंदनीय है। समाजवादी पार्टी बनेगी 'समाप्त' पार्टी। गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर के द्वार पर हुए हमले के आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी को बुधवार को पूछताछ के लिए आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के लखनऊ मुख्यालय लाया गया। अब्बासी सोमवार से सात दिन की पुलिस हिरासत में है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, मुर्तजा से उसकी गतिविधियों और हमले से पहले जिन लोगों से वह मिला उनके बारे में पूछताछ की जाएगी। प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया, हम इस घटना से जुड़े हर पहलू का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। गिरफ्तार किया गया व्यक्ति किन लोगों या संगठनों से जुड़े हैं, इसका भी पता लगाया जा रहा है। इस बीच, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि पकड़ा गया अभियुक्त केमिकल इंजीनियर है और उसने अपने लैपटॉप पर मुस्लिम कट्टरपंथियों के भाषण देखे थे।

## पानी के लिए मचे हाहाकार के संबंध में जिलाधिकारी को सौंपा पत्रक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अनिल कुमार पांडेय ने जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान जखनियार तहसील की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत जलालाबाद में पानी के लिए मचे हाहाकार के संबंध में उन्हें पत्रक सौंप समझाया के समाधान की मांग की। श्री पांडेय ने जिलाधिकारी को पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि विगत 20 दिनों से जलालाबाद की जनता जल निगम की पानी टंकी खराब होने से पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रही है। जलालाबाद में आपको पीने के लिए एक गिलास दूध मिल सकता है, लेकिन पानी देने से लोग कतरा रहे हैं। इसलिए तत्काल पानी टंकी की मरम्मत कराते हुए नई पानी टंकी का प्रस्ताव शासन को भेजने के आग्रह के साथ ही तात्कालिक

प्रभाव से जलापूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था कराने के बात जिलाधिकारी से कहीं। जिलाधिकारी ने मामले को



गंभीरता पूर्वक लेते हुए पानी टंकी के मोटर के रि-बोर का कार्य प्रारंभ करवा दिया और वैकल्पिक जलापूर्ति की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। बातचीत में वरिष्ठ

नेता ने बताया कि 60 वर्ष पुरानी इस पानी टंकी से जलालाबाद की लगभग 12000 आबादी प्रभावित होती है। यहाँ जो दो बोरिंग मशीन

हैं, एक बोरिंग मशीन पूर्व में ही खराब थी, लेकिन कर्मचारियों ने ध्यान नहीं दिया, अब दूसरी मशीन खराब होने से आपूर्ति एकदम बाधित है।

## बिजली विभाग की मॉर्निंग रेड, 14 पर एफआईआर दर्ज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अधीक्षण अभियंता सी.बी. सिंह के निर्देशन पर शहर क्षेत्र के गोड़ा देहाती, शिवधाम कॉलोनी, गायत्रीनगर कॉलोनी, फूलनपुर एवम उसके आस पास के क्षेत्र में मॉर्निंग रेड किया गया। इस मॉर्निंग रेड में विद्युत चोरी में पर अंकुश लगाने, लाइन लास कम करने हेतु अभियान चलाया गया, जिसमें सीधे चोरी करते हुए 6 लोगों के ऊपर एवम मीटर से अलग केबल खींचकर 8 मीटर के ऊपर संबंधित धारा में झटका दिया गया। चेकिंग टीम के प्रभारी उपखंड अधिकारी शिवम राय ने बताया कि शहर क्षेत्र में आगे भी कभी भी मॉर्निंग रेड कही भी पड़ सकता है एव दस हजार से ऊपर के बकायेंदारों की भी सूची बन गयी है, जिसमें एक कॉपी विजिलेंस टीम को भी दिया गया है। ऐसे बकायेंदार उपभोक्ताओं को

सूची के आधार पर प्रतिदिन चेकिंग के आधार पर पकड़कर केबिल डिस्कनेक्ट की जाएगी एव बकाया पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने आम उपभोक्ताओं से अपील किया कि जिनका भी दस हजार से ऊपर के बकाया है वे लोग तत्काल अपना बकाया राशि शहर क्षेत्र के नजदीकी केश काउंटर जैसे उपकेंद्र प्रकाशनगर, पीरनगर, खण्ड कार्यालय आमघाट, उपखण्ड कार्यालय लालदरवाजा पर अपना बिल का भुगतान तत्काल जमा कर दें, अन्यथा मॉर्निंग रेड में विद्युत चोरी करने पर पकड़े जाने पर कठोर कार्यवाही करते हुवे पेनाल्टी के तौर पर राजस्व हानि भी उन्ही उपभोक्ताओं से नोटिस भेजकर आरसी के तहत वसूला जाएगा। चेकिंग टीम में क्षेत्रीय जे.ई. के साथ साथ समस्त विद्युत कर्मी मौजूद रहे।

## मतदान कर्मियों, पीठासीन अधिकारी एवं कर्मिक व्यवस्था में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों का द्वितीय प्रशिक्षण जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश विधान के 100 मीटर के परिधि में भौड़-भाड़ न हो, परिषद का द्विवाषिक निर्वाचन-2022 के मतदान कार्य को सकुशल सम्पन्न एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने एवं के उद्देश्य से आज दिन गुरुवार को मतदान कर्मियों, पीठासीन अधिकारी एवं कर्मिक व्यवस्था में लगे अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों का द्वितीय प्रशिक्षण रायफल क्लब गाजीपुर में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मतदान केन्द्र

के 100 मीटर के परिधि में भौड़-भाड़ न हो, किसी भी व्यक्ति एवं मतदाता द्वारा किसी प्रकार



को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, पेन, पेपर, शस्त्र, डीएफओ लाने का निषेध किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मतदान केन्द्र

गये वैरिफिकेटिंग से मतदान स्थल तक पैदल ही जाना होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई मतदाता

अपने मतदान की गोपनीयता भंग करता है तो उसका मत निरस्त कर दिया जायेगा। निष्पक्ष मतदान कराना हम सब की प्राथमिकता है, इसमें किसी तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रकाश गुप्ता, अपर जिलाधिकारी वि.रा. अरुण कुमार सिंह, गाजीपुर एवं समस्त पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी, मतदान कर्मिक उपस्थित थे।

## शॉर्ट सर्किट से लगी आग गेहूं जलकर राख



प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़ काट कर छोड़ा गया गेहूं के खेत में गेहूं बिजली के तार से निकली चिंगारी से एक बीघा गेहूं जलकर राख हो गया ग्रामवासियों की मदद से आग पर काबू पाया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार गंभीरपुर थाना क्षेत्र के वजीर मलपुर गांव में गुरुवार की दोपहर लगभग 3:00 बजे शिवचरण उर्फ इनकू यादव पुत्र मर्दा यादव का गेहूं काटकर सूखने के

लिए छोड़ा गया था उसी खेत में लगे ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से गेहूं के खेत में आग लग गई जिसमें 1 बीघा गेहूं जलकर राख हो गया ग्रामवासियों की सूचना पर आसपास गांववासियों के द्वारा अथक प्रयास से आग पर काबू पाया गया ग्रामवासियों के द्वारा राजस्व विभाग को सूचना दे दिया गया। खबर लिखे जाने तक राजस्व विभाग से कोई मौके पर नहीं पहुंचा था।

## श्री राम लाल बहा बाबा का वार्षिक श्रृंगार किया गया



प्रखर चौबेपुर वाराणसी। श्री राम लाल बहा बाबा मंदिर झाड़पुर ब्यासपुर पर वार्षिक श्रृंगार तथा अखण्ड हरि कार्तन का आयोजन किया गया। यहां पर हजारों की संख्या में भक्तगण दर्शन करने आते हैं। क्षेत्र के इस मंदिर पर बड़ी आस्था है हर सोमवार और शुक्रवार को 50गावों से लोग पुजा वह दर्शन करने आते हैं श्री बहा बाबा लगभग 400वर्षों पुराना इतिहास में है इस मंदिर के अध्येक्ष गिरीश तिवारी तथा मुख्य पुजारी संतोष बाबा अमित उपाध्याय बज्रनन्दन तिवारी विपिन तिवारी मुकेश तिवारी रवि तिवारी आलोक चौबे आदि लोग उपस्थित थे।

## रिटायर्ड फौजी का घर चोरों ने खंगाला, हजारों की नगदी सहित लाखों के आभूषण पर किया हाथ साफ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सैदपुर थाना क्षेत्र के पहाड़पुर हलधर गांव में बुधवार की रात चोरों ने एक रिटायर्ड फौजी के मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारी होने पर पुलिस अधीक्षक ने पीड़ित से पूछताछ करते हुए जांच-पड़ताल किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सैदपुर क्षेत्र के पहाड़पुर हलधर गांव निवासी रिटायर्ड फौजी वीरेंद्र यादव का परिवार रोज की तरह बुधवार की रात भी खाना खाने के बाद अपने-अपने कमरा में सो गया। इसी बीच किसी समय चोर छत का दरवाजा खोल सीढ़ी से नीचे मकान के अंदर प्रवेश कर गए। चोरों ने कमरे में सो रहे वीरेंद्र, उनकी माता लक्ष्मीना देवी और बड़े पुत्र एवं बड़े पुजा यादव के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद दूसरे कमरे का दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किए और अलमारी में रखा 25



कमरे से बाहर निकलना चाही तो देखा कि दरवाजा बाहर से बंद था। इस पर वह दरवाजा खटखटाने लगी। आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी जग गए। किसी तरह से दरवाजा

खोलकर बाहर निकले। पीड़ित ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सुबह थानाध्यक्ष पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। की मां पानी पीने के लिए जब

सिंह भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित से घटना के संबंध में पूछताछ करते हुए जांच पड़ताल की। उन्होंने थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द मामले का खुलासा करें।

## कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर केंद्र बीएमसी में तकरार

मुंबई। मुंबई में कोरोना के नए सब वैरिएंट एक्सई के मामले मिले हैं या नहीं, इसको लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और बृह-मुंबई नगर निगम (बीएमसी) आमने-सामने है। स्वास्थ्य मंत्रालय के करीबी सूत्रों ने बीएमसी के दावों के उलट कहा है कि मरीज के नमूने की जीनोम सिक्वेंसिंग एक्सई वैरिएंट की पुष्टि नहीं करते हैं। इससे पहले बुधवार को बीएमसी ने दावा किया था कि 50 वर्षीय एक महिला जिसमें कोरोना के कोई लक्षण नहीं दिख रहे हैं, उसमें कोरोना का नया सब वैरिएंट एक्सई की पुष्टि हुई है। कोरोना संक्रमित महिला वैक्सिन की दोनों खुराकें लगा चुकी हैं। बीएमसी के अनुसार, नए संस्करण की पुष्टि के लिए नमूना आगे के विश्लेषण के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेट्रिकल जीनोमिक्स (एनआईबीएमजी) को भेजा जाएगा। बीएमसी के दावे के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क हो गया है। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने मरीज के नमूने में एक्सई वैरिएंट की मौजूदगी से इनकार किया है।

## टेंट संचालक के घर में आग लगने से लाखों का सामान जलकर हुआ राख

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना क्षेत्र के अंतगंत ग्राम सभा पलिया मटिया में टेंट संचालक रामनिवास यादव के घर में आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनिवास यादव पुत्र संग्राम सिंह

कर जलने लगी। ग्रामीणों की नजर पड़ने पर ग्रामीणों ने हैडपंप व ट्यूबवेल से आग बुझाने की भरपूर कोशिश करने लगे। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था। इस घटना की जानकारी



यादव ग्राम सभा पलिया मटिया टेंट हाउस चलाने का कारोबार करते हैं। बुधवार की शाम 4:00 बजे के आसपास अचानक घर में आग लग जाने से टेंट के सामान के साथ बोरी में रखा धान, साइकिल, मोटर, धान पीटने की मशीन धू-धू

प्राप्त होते हैं टेंट संचालक रामनिवास यादव मौके पर पहुंचे व देखकर हतप्रभ रह गए। आग लगने की जानकारी होते हैं बिरनो थानाध्यक्ष संतोष कुमार मौके पर पहुंचे और आग लगी घटना की जानकारी प्राप्त किये।

## ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी, 15 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख

कोपांगं, मऊ। थाना क्षेत्र के सेंदुराई गांव में बुधवार को करीब 12:30 बजे ट्रांसफार्मर के साथ शॉर्ट सर्किट के चलते करीब 15 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गया। गेहूं की खड़ी फसल में आग लगते ही ग्रामीणों ने दौड़कर आग बुझाने में जुट गए। उधर सूचना के बाद जब तक फायर ब्रिगेड अभी आधे रास्ते तक पहुंचा तब तक ग्रामीणों ने आग पर किसी तरह काबू पा लिया। बताया जाता है कि सेंदुराई गांव में किसानों द्वारा कई हेक्टेयर में गेहूं की फसल बोई गई है। वहीं पर एक चकदार के खेत के मेढ के पास बिजली विभाग का ट्रांसफार्मर लगाया गया है। बताया जाता है बुधवार को ट्रांसफार्मर में अचानक चिंगारी निकलने शुरू हो गई जैसे ही चिंगारी गेहूं के फसल में गिरी अचानक धूर के साथ आग के गुब्बारे निकलने शुरू हो गए और देखते ही देखते आग तेजी से फैलने शुरू हो गया। गेहूं के खेत में आग लगने को जैसे ही सूचना गांव तक पहुंचा, दर्जनों ग्रामीण लाठी-डंडे और बाल्टी डिब्बे में पानी लेकर खेत और दौड़ पड़े। इसी दौरान तेज हवा के चलते गेहूं के खेत में लगी आग विकराल रूप धारण करने लगी। और देखते ही देखते आग करीब 15 बिघे



यादव, राजेंद्र यादव, राधेश्याम पांडे धर्मेन्द्र पांडे के करीब 15 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गए। ग्रामीणों ने कहा कि आग पर अंगर

तत्काल काबू नहीं पाया गया होता तो अगल बगल के सैकड़ों बीघे गेहूं की खड़ी फसल कि एक दाना भी बच पाना मुश्किल होता। ग्रामीणों

ने बताया कि अनेकों बार ट्रांसफार्मर हटाने के लिए बिजली विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन विभाग

के अधिकारी हमेशा की तरह इस बार भी चुप्पी साधे रहे जिसका खासिया किसानों को भुगतान पड़ा। उधर आग लगने की सूचना के बाद राजस्व निरीक्षक सत्येंद्र मिश्रा घटनास्थल पर पहुंच गए। बताया कि आग से गेहूं के फसल के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

## ट्रैक्टर ट्राली से टकराई फोर व्हीलर उदयभान सिंह गंभीर रूप से घायल

प्रखर आजमगढ़। सूत्रों के मुताबिक आजमगढ़ जिले के तरवा निवासी उदयभान सिंह बृहस्पतिवार को दोपहर अपने निजी वाहन से किसी रिश्तेदार के यहां जा रहे थे, अचानक रास्ते में ट्रैक्टर से फोर व्हीलर टकरा गई जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी फोर व्हीलर सुधरा पुल के नजदीक पहुंची थी, तभी सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर दी। ग्रामीणों की सूचना देने पर मौके पर कुछ लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। ग्रामीणों की मदद से ही उन्हें अस्पताल में ले जाया गया। गंभीर चोट आने की वजह से डॉक्टर ने वाराणसी रेफर कर दिया।

## सचिव ने जिला कारागार का किया निरीक्षण, दिये दिशा-निर्देश

मऊ। बुधवार को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मऊ कुंवर मित्रेश सिंह कुशावाहा द्वारा जिला कारागार मऊ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक द्वारा बताया गया कि सम्पूर्ण बन्दियों की संख्या 571 है, जिसमें 521 पुरुष बन्दी है 22 महिला और किशोर 28 हैं। पाकशाला के निरीक्षण के दौरान उचित सफाई पायी गयी। बंदियों ने साप्ताहिक सारणी के अनुसार समय पर एवं उचित मात्रा में प्रातः का नाश्ता एवं सुबह का भोजन दिया जाना बताया।



महिला बैरक नं0-01 के निरीक्षण दौरान महिला कैदियों के अपराध, सजा एवं जमानत की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। दो महत्वा बंदियों के साथ पांच वर्ष से कम आयु के 02 बच्चे जिनको उचित मात्रा दुग्धाहार एवं पुष्टाहार समय अनुसार उपयुक्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाता है। महिला बंदियों से विधिक सहायता के सम्बंध में पूछताछ की गयी, तो उनके द्वारा अपने मुकदमे की पैरवी

अधिवक्ता द्वारा किया जाना बताया, महिला बंदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध निःशुल्क अधिवक्ता एवं प्ली बार्गनिंग के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी। जेल अपील के संबंध में पूछ ताछ के दौरान अधीक्षक द्वारा बताया गया कि सभी सिद्धोप बंदियों की जेल अपील दाखिल की जा चुकी है। जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि सभी बन्दियों को कोरोना वैक्सिन का

टीका लगवाया जा चुका है तथा नियमानुसार बूरटेर डोज भी लगाई जा रही है। डा0 अमित रंजन द्वारा बीमार बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जरूरी सुझाव भी प्रदान किया। आकस्मिक निरीक्षण के समय लाल रत्नाकर सिंह, जेल अधीक्षक, अवनोश सिंह, उप जेलर, अमर कुमार सिंह, उप जेलर, मंजू बर्नवाल उप जेलर आदि उपस्थित रहे।

# केकेआर की जीत में कमिंस ने सबसे तेज फिफ्टी जड़ रचा इतिहास

## मुंबई की हार की हैट्रिक, सैम्स ने फेंका आईपीएल का दूसरा सबसे महंगा ओवर



**16वें ओवर में कमिंस ने ऐसे लिए 35 रन**

**पहली गेंद : 6 रन**

**दूसरी गेंद : 4 रन**

**तीसरी गेंद : 6 रन**

**चौथी गेंद : 6 रन**

**पांचवीं गेंद : 3 रन**

**पांचवीं गेंद : 4 रन**

**छठी गेंद : 6 रन**

पुणे। वेंकटेश अय्यर (नाबाद 50) के धैर्यपूर्ण अर्धशतक और मैन और द मैच पैट कमिंस (नाबाद 56) के आतिशी अर्धशतक से कोलकाता नाईट राइडर्स ने एकतरफा अंदाज में मुंबई इंडियंस को बुधवार को आईपीएल मुकाबले में 24 गेंद शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। 15 गेंद पर 56 रन बनाने वाले कमिंस ने 14 गेंदों पर 50 रन पूरे कर आईपीएल इतिहास में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड की बराबरी की। इससे पहले केएल राहुल ने 2018 में पंजाब की ओर से खेलते हुए दिल्ली के खिलाफ 14 गेंदों पर फिफ्टी जमाई थी। टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड भारत के युवराज सिंह के नाम है। उन्होंने 13 गेंदों में 50 रन बनाए थे। मुंबई ने सूर्यकुमार यादव (52) और कीरोन पोलार्ड (22) की विस्फोटक पारियों की बदौलत आईपीएल के 14वें मैच में 20 ओवर में चार विकेट पर 161 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया जबकि कमिंस की आंधी से कोलकाता ने चार ओवर पहले ही मैच समाप्त कर दिया। कोलकाता ने 16 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। कमिंस ने मात्र 15 गेंदों में चार चौकों और छह गगनचुम्बी छक्कों की मदद से नाबाद 56 रन ठोकें। कमिंस पाकिस्तान का दौरा समाप्त होने के बाद भारत पहुंचे और इस सत्र का पहला मैच खेल रहे थे। अय्यर ने एक छोर संभाल कर खेलते हुए 41 गेंदों पर छह चौकों और एक चौके की मदद से नाबाद 50 रन बनाए। लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे।

आंद्रे रसेल पांच गेंदों में 11 रन बनाकर पांचवें बल्लेबाज के रूप में 101 के स्कोर पर आउट हुए। लेकिन फिर मैदान पर उतरे कमिंस ने उतरने के साथ ही मैच का नक्शा बदल दिया। कमिंस ने जसप्रीत बुमराह के पारी के 15वें ओवर की चौथी और पांचवीं गेंद पर छक्का और चौका जड़ दिया। कमिंस ने 16वें ओवर में 35 रन बनाए और यह आईपीएल के इतिहास का दूसरा सबसे महंगा ओवर बन गया।

**मुंबई के लिए सूर्यकुमार ने जड़ा अर्धशतक**

इससे पहले मुंबई ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए थोड़ी धीमी शुरुआत की। उसने कप्तान रोहित शर्मा सहित अपने शुरुआती विकेट भी जल्दी खो दिए, लेकिन फिर सूर्यकुमार और पोलार्ड के तुफान ने कोलकाता की गेंदबाजी को धिक्का उड़ा दी। दोनों बल्लेबाजों ने टीम को 161 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। सूर्यकुमार ने पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 गेंदों पर 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि पोलार्ड ने आखिर में महज पांच गेंदों पर ताबड़तोड़ 22 रन बनाए।

**स्कोर बोर्ड**

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा के. विलिंस बो. उमेश	03	12	0/0
इशान किशन के. ब्रेसिस बो. कमिंस	14	21	1/0
ग्रेसिस के. विलिंस बो. वरुण	29	19	2/2
सूर्यकुमार के. विलिंस बो. कमिंस	52	36	5/2
तिलक वर्मा नाबाद	38	27	3/2
पोलार्ड नाबाद	22	05	0/3

अतिरिक्त: 3. कुल: 20 ओवर में बार विकेट पर 161 रन विकेट पतन: 1-6, 2-45, 3-55, 4-138, गेंदबाजी: उमेश यादव 4-0-25-1, राशिद खान 3-0-18-0, पीट कमिंस 4-0-49-2, सुनील नारायण 4-0-26-0, वरुण चमरवती 4-0-32-1, आंद्रे रसेल 1-0-9-0.

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4/6
वेंकटेश नाबाद	50	41	6/1
ग्रेसिस के. विलिंस बो. सैम्स	10	06	2/0
सैम्स विलिंस के. वरुण बो. अश्विन	17	12	0/2
नीतीश राणा के. सैम्स बो. अश्विन	08	07	0/1
आंद्रे रसेल के. ग्रेसिस बो. विलिंस	11	05	1/1
पीट कमिंस नाबाद	56	15	4/6

अतिरिक्त: 3. कुल: 16 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन विकेट पतन: 1-16, 2-35, 3-67, 4-83, 5-101, गेंदबाजी: बोल्ल बापी 3-0-15-0, हेमिन्ग्वे सैम्स 3-0-50-1, बुमराह 3-0-26-0, टिमाल मिल्स 3-0-38-2, तिलक वर्मा 1-0-6-0, मरुगन 3-0-25-2.

**आज का मुकाबला**

शाम 7:30 बजे

लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स

लखनऊ सुपर जायंट्स दिल्ली कैपिटल्स

**आईपीएल 2022 अंक तालिका**

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	नरेट
कोलकाता	04	03	01	06	1.102
राजस्थान	03	02	01	04	1.218
गुजरात	02	02	00	04	0.495
पंजाब	03	02	01	04	0.238
लखनऊ	03	02	01	04	0.193
बैंगलुरु	03	02	01	04	0.159
दिल्ली	02	01	01	02	0.065
चेन्नई	03	00	03	00	-1.251
मुंबई	03	00	03	00	-1.362
हैदराबाद	02	00	02	00	-1.825

# बाबर, ब्रेथवेट व कमिंस प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित

## महिला वर्ग में सोफी, हेन्स और लौरा वोल्वाडर्ट को मिली जगह

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस और वेस्टइंडीज के टेस्ट कप्तान ब्रेथवेट को मार्च माह के लिए पुरुष श्रेणी में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

वहीं महिला श्रेणी में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन, ऑस्ट्रेलिया की राचेल् हेन्स और दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वाडर्ट को चुना गया है। दोनों श्रेणियों में खिलाड़ियों को पिछले महीने उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर चयनित किया गया है। विजेताओं की घोषणा अगले हफ्ते की जाएगी। बाबर की बात करें तो उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में टीम की 2-1 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने सीरीज में एक शतक और दो शानदार



अर्धशतक जड़े थे। कमिंस को पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। ब्रेथवेट ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 85.25 के औसत से 341 रन बनाए थे।

**वनडे रैंकिंग में विराट और रोहित अपने-अपने स्थान पर बरकरार**

आईसीसी द्वारा जारी ताजा वनडे रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा अपने-अपने स्थान पर बने हुए हैं। विराट 811 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे नंबर पर जबकि रोहित 791 रेटिंग अंकों के साथ चौथे नंबर पर बरकरार हैं। रैंकिंग में पाकिस्तान के बल्लेबाज इमाम उल हक सात स्थानों की लंबी छलांग लगाते हुए तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वनडे सीरीज में शानदार शतक लगाने वाले कप्तान बाबर आजम अभी भी शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज रिविन डिकॉक पांचवें नंबर पर हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रॉस टेलर तीन स्थान नीचे खिसककर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के जॉनी बैयरस्टो सातवें, दक्षिण अफ्रीका के रासी वेन डेर डुसेन आठवें और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्न नौवें नंबर पर हैं जबकि उनके कप्तान एरॉन फिच तीन स्थान नीचे गिरकर 10वें नंबर पर लुढ़क गए हैं।

**तिलक वर्मा ने काफी परिपक्वता और संयम दिखाया: शास्त्री**

मुंबई। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान एवं राष्ट्रीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री मौजूदा 2022 आईपीएल सीजन में मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा के प्रदर्शन और उनके लगातार रन बनाने से काफी प्रभावित हैं। शास्त्री ने कहा, तिलक ने मुंबई इंडियंस के लिए खेलेली 100 पारियों में काफी क्षमता दिखाई है। मैं उनके शॉट्स की विविधता फ्रंट फुट, बैक फुट और स्पीड को देखकर प्रभावित हूँ। उनके शॉट चयन में काफी भिन्नता है। उनका कपोजर, हाव-भाव और मिजाज एक युवा खिलाड़ी के लिए काफी अच्छा है। उन्होंने बहुत आत्मविश्वास से बल्लेबाजी की है। उनमें आगे बढ़ने की क्षमता है। पूर्व कोच ने यह भी दावा किया कि सूर्यकुमार यादव के साथ तिलक वर्मा मुंबई इंडियंस की मध्य क्रम बल्लेबाजी को मजबूत बनाएंगे।

**फिंच के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने जीता एकमात्र टी-20 मुकाबला**

**पाकिस्तान को तीन विकेट से शिकस्त दी**

लाहौर। तेज गेंदबाज नाथन एलिस (28 रन पर चार विकेट) और फिर मैन ऑफ द मैच कप्तान आरोन फिंच (55) के अर्धशतक और ऑलराउंडर मार्कस स्टॉयनिस (23) की तुफानी पारी की ऑस्ट्रेलिया ने यहां रोमांचक टी-20 क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को तीन विकेट से हरा दिया। मेजबान पाकिस्तान ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान बाबर आजम (66) के विस्फोटक अर्धशतक और अंत में उस्मान कादिर की छह गेंदों पर 18 रन की आतिशी पारी से 20 ओवर में आठ विकेट पर 162 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने फिंच के अर्धशतक और अन्य बल्लेबाजों की छोटी-छोटी महत्वपूर्ण पारियों की मदद से 19.1 ओवर में सात पर 163 रन बना कर मैच जीत लिया। फिंच ने 55 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि स्टॉयनिस ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए पांच चौकों के दम पर नौ गेंदों में 23 रन बनाए।



**प्रियंगका देवी के गोल से जीती भारतीय महिला फुटबॉल टीम**

अम्मान। प्रियंगका देवी के गोल से भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने प्रिंस मोहम्मद स्टेडियम में पहले क्रेडली मैच में मिस्त्र की कम रैंकिंग वाली टीम को 1-0 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से यह प्रियंगका का पहला गोल है। पहले हाफ में भारतीय टीम ने दुनिया की 95वें नंबर की मिस्त्र की टीम के खिलाफ दबाव बनाते की कोशिश की। कप्तान आशांता देवी ने 18वें मिनट में अच्छा मूव बनाया लेकिन लंबी दूरी से मारे उनके शॉट पर गेंद को कब्जे में लेने वाली अंजु ने निराश किया। इसके दो मिनट बाद मनीषा को गोल करने का बेहतरीन मौका मिला लेकिन दालिमा के पास पर दाएं छोर से उनके शॉट को मिस्त्र की गोलकीपर ने रोक दिया।

**भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम कोरिया की चुनौती के लिए तैयार**

नई दिल्ली। 8 अप्रैल को अपने एफआईएफ हॉकी महिला जूनियर विश्वकप क्वॉटर फाइनल से पहले भारतीय टीम ने कहा कि खिलाड़ी कोरिया के खिलाफ अपने महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उत्साहित हैं। कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, टीम बहुत उत्साहित है और हर खिलाड़ी कोरिया के खिलाफ क्वॉटर फाइनल मैच का इंतजार कर रही है। वे एक अच्छी टीम हैं लेकिन हम राउंड रॉबिन लीग मैचों से अपने प्रदर्शन पर कैसे सुधार कर सकते हैं, इसलिए ध्यान इस पर होगा।

**अमलान ने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया**

कोलकोता। अमलान बोराहाने (असम) ने बुधवार को यहां 25वीं एएफआईए राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कोरिया से प्रभावित अंतिम दिन बुधवार को 20.52 सेकंड का समय लेकर पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। इस 23 साल के खिलाड़ी ने मोहम्मद अनस याहिदा के मौजूदा 20.63 सेकंड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इस दौड़ में अकाश कुमार (20.89 सेकंड) और मोहम्मद अजमल (20.92) सेकंड में भी 21 सेकंड से कम समय लिया। लेकिन एशियाई खेलों के लिए सिर्फ अमलान ही टिकट पकड़ी कर सके। उन्होंने सितंबर और मार्च में भी 21 सेकंड से कम समय लिया था। महिलाओं के 200 मीटर दौड़ में करीबी मुकाबला देखने को मिला जहां हिमा दास (23.63 सेकंड) ने सेकंड के सात हिस्से से एश्वर्य केशाव मिश्रा (महाराष्ट्र) को पछाड़कर स्वर्ण जीता।

**क्वॉटर फाइनल के पहले चरण में जीता मैनचेस्टर सिटी**

**ब्लू के गोल से एटलेटिको मैड्रिड को हराया**

मैनचेस्टर। केविन डी ब्रून के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वॉटर फाइनल के पहले चरण में एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराया। शुरुआती 70 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन सिटी ने अंततः फिल फोडेन की मदद से बढ़त बना ली। मैदान पर उतरने के 79 सेकंड के अंदर ही फोडेन ने शानदार श्रॉबॉल फेंकी जिसे डी ब्रून ने अपने कब्जे में लेकर गोल में बदल दिया।

**लिवरपूल ने बेनफिका को शिकस्त दी**

लिसबन। लिवरपूल ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वॉटर फाइनल के पहले चरण में यहां बेनफिका को 3-1 से हरा दिया। छह बार के चैंपियन लिवरपूल की ओर से इब्राहिम कोटारे (17वें मिनट), सादियो बार्ने (34वें मिनट) और लुई डियाज (87वें मिनट) ने गोल दागे। बेनफिका की तरफ से एकमात्र गोल 49वें मिनट में डार्विन नुनेज ने किया। प्री क्वॉटर फाइनल में एजेक्स को हराने वाली बेनफिका की टीम 2016 के बाद पहली बार क्वॉटर फाइनल खेल रही है।

**चोट के कारण नाथन कुल्टर-नाइल आईपीएल से बाहर**

मुंबई। ऑलराउंडर नाथन कुल्टर-नाइल चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी नाथन कुल्टर-नाइल ऑस्ट्रेलिया वापस लौट गए हैं। उन्हें 29 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मुकाबले में साइड स्ट्रेन की समस्या हुई थी और अब वह स्वदेश लौटकर रिहैब करेंगे। फ्रैंचाइजी के ट्विटर अकाउंट से जारी वीडियो में फिजियो जॉन वॉल्स्टेर ने कहा, दुर्भाग्यवश, मुझे उनको विदाई देने का मुश्किल कार्य मिला है। किसी को खोना हमेशा कठिन होता है, खासकर जब कोई चोटिल हुआ हो। और आपको

**घुटने में लगी चोट से परेशान बेन स्टोक्स**

लंदन। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स चोट की समस्या से जूझ रहे हैं। 30 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी, जिसका सीटी स्कैन होना बाकि है। जो रूट के नेतृत्व में इंग्लैंड वेस्टइंडीज में तीन मैचों की श्रृंखला हार गई। इस दौरान स्टोक्स ने सीरीज में 99 ओवर गेंदबाजी की। स्टोक्स ने कहा कि जब तक चोट की गंभीरता का खुलासा सीटी स्कैन से नहीं हो जाता, तब तक वह खेल के बारे में आगे कोई योजना नहीं बनाएंगे। एशेज के दौरान एक साइड स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था और वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में गेंदबाजी करने की उम्मीद नहीं थी। इंग्लैंड का अगला सीजन दो जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में शुरू होगा।

**आशीष सहित चार भारतीय मुक्केबाजों ने फाइनल में किया प्रवेश**

**थाईलैंड ओपन: आशीष ने मुस्तिफा को 5-0 से हराया**

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज आशीष कुमार ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए बुधवार को यहां तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ 2022 थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया। मोनिका, गोविंद साहनी और वरिंदर सिंह ने भी अपने-अपने मुकाबले जीत कर फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में 75 किरा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले आशीष ने बुधवार को 81 किरा वर्ग के सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के माइखेल रोबर्ट मुस्तिफा पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के पिछले दौर में दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता फिलिपिंस की जोसी गैब्रुको को हराने वाली 26 वर्षीय मोनिका भी महिला 48 किरा के सेमीफाइनल में विजयनाम की



वॉकओवर मिला। इस बीच दिन की शुरुआत में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता भारत के अमित पंचाल ने 52 किरा वर्ग में थाईलैंड के थानाकोन आओयम के खिलाफ सर्वसम्मत फैसले से आसान जीत दर्ज की, जबकि रोहित मोर को 57 किरा वर्ग में थाईलैंड के रुजाक्रान जुंठोंग से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

**यूरोपीय जीटी4 रेस में दो बार शीर्ष तीन में शामिल रहे एकमात्र एशियाई अखिल रबिंद्रा**



बेंगलुरु। एस्टन मार्टिन ड्राइवर अकादमी से जुड़े और इस साल यूरोपीय जीटी4 में भाग ले रहे एकमात्र एशियाई अखिल रबिंद्रा अपनी नवी टीम रेसिंग स्मिटर ऑफ लेमन के साथ सत्र के पहले दौर में दो बार पॉडियम (शीर्ष तीन) पर पहुंचने में सफल रहे। अखिल और उनकी टीम के साथी टॉम कैनिंग ने इमोला सर्किट में पहले दौर की दोनों रेस पूरी करते हुए सिल्वर कप श्रेणी में तीसरा स्थान (पी3) हासिल किया। यहां जारी विज्ञापन के अनुसार अखिल ने क्वालीफाइंग रेस दो के बाद कुल मिलाकर चौथा स्थान हासिल किया था। अखिल ने अपने साथी कैनिंग के साथ पहली रेस में शानदार शुरुआत की। उन्होंने पी चोवेट और जे स्कीवर की टीम के तकनीकी कारणों से अयोग्य घोषित किये जाने के बाद तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद दूसरी रेस में भी अखिल और कैनिंग की टीम तीसरे स्थान पर रही।

# पीवी सिंधु व किदांबी श्रीकांत ने दूसरे दौर में जगह बनाई

**कोरिया ओपन: सिंधु ने अमेरिका की लॉरेन लैम को सीधे गेमों में हराया**

सनचिचोन (एजेंसी)। भारतीय अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को यहां कोरिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। पीवी सिंधु ने 3-4 मिनट तक चले मैच में अमेरिका की लॉरेन लैम को सीधे गेमों में 21-15, 21-14 से हराया। अब अगले दौर में उनका सामना जापान की आया ओहोरी से होगा।

वहीं श्रीकांत ने मलेशिया के लेव डेंगेन को 22-20, 21-11 से शिकस्त दी। वह अब राउंड ऑफ 16 में इस्माइल

के मिशा जिल्वरमैन से भिड़ेंगे। इस बीच पुरुष युगल में साल्वकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराम शेड्री ने ताए यांग शिन और वांग चान की दक्षिण कोरियाई जोड़ी को 21-15, 21-16 से हरा कर अगले दौर में जगह बनाई। एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की एक अन्य पुरुष युगल टीम को दक्षिण कोरिया के बा दा क्रिम और ही यंग पार्क के खिलाफ वॉकओवर मिला। दूसरे दौर में उनका सामना मुहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान की दूसरी करीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा। इसके अलावा मिश्रित युगल में सुमीत रेड्डी

और अश्विनी पोनप्पा ने सिंगापुर के लियांग युगल में साल्वकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराम शेड्री ने ताए यांग शिन और वांग चान की दक्षिण कोरियाई जोड़ी को 21-15, 21-18 से हरा कर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी अगले दौर में ओड जुआन यी और हुआंग या किआंग की पांचवीं करीयता प्राप्त चीनी जोड़ी से भिड़ेगी। इससे पहले ऑल इंग्लैंड के उप विजेता लक्ष्य सेन और मालविका बंसोड़ भी अगले दौर में पहुंचे। पुरुष एकल में लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के रोशर हिरेन रुस्तवितो से होगा, जबकि प्री क्वॉटर फाइनल में मालविका थाईलैंड की पोर्नपावी



## समाजसेवी अजीत सिंह की रंग लाई मेहनत

**डोभी स्टेशन पर रुकेगी सुहेलदेव, कटरा एक्सप्रेस, खुलेगा टिकट आरक्षण केंद्र : सांसद**

प्रखर चंदवक जौनपुर। औड़िहार जौनपुर रेल प्रखंड पर स्थित डोभी रेलवे स्टेशन पर महाराजा सुहेलदेव सुपरफास्ट एक्सप्रेस व माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस साप्ताहिक का ठहराव होने के साथ ही टिकट आरक्षण केंद्र अतिशीघ्र खोला जाएगा इसका आश्वासन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद बी पी सरोज को मांग पत्रक देने दौरान गुरुवार को दिया। बता दें कि डोभी स्टेशन पर सुहेलदेव सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ठहराव होता था लेकिन विगत तीस मार्च से इसका ठहराव बंद कर दिया गया।

अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आन रेकोर्ड इसका ठहराव डोभी स्टेशन पर नहीं था जिसकी शिकायत किसी ने विभाग में कर दी थी जिसके कारण बंद कर दिया गया ठहराव बंद होने से क्षेत्रीय लोगों को परेशानियों का सामना

करना पड़ रहा था जिसको संज्ञान लेते हुए समाजसेवी अजीत सिंह ने ग्यारह सौ लोगों के हस्ताक्षरित ज्ञापन सांसद बी पी सरोज को सौंपा जिसमें डोभी स्टेशन पर



सुहेलदेव एक्सप्रेस, गाजीपुर से कटरा जानेवाली माता वैष्णो देवी एक्सप्रेस के ठहराव के साथ ही टिकट आरक्षण केंद्र खोले जाने की मांग सम्मिलित थी।

**क्षेत्रवासियों के हफ्तों भर की कड़ी मेहनत लाई**

रंग:अजीत सिंह- रेलमंत्री से सांसद के मुलाकात व डोभी रेलवे स्टेशन का समस्याओं को लेकर मांग पत्र सौंपने की खबर जैसे ही टैनीफोनिक और व्हाट्सएप के

हफ्तों भर के कड़ी मेहनत लाई रंग क्षेत्रवासी सांसद के इस पहल की कोटि कोटि सराहना करती है क्योंकि मात्र हफ्तों भर में ही हमारी मांगों को सांसद ने रेलमंत्री तक पहुंचाने का जो कार्य किए हैं वह सराहनीय योग्य है।

**डोभी स्टेशन पर ठहराव व आरक्षण टिकट केंद्र का जल्द होगी व्यवस्था:सांसद-** हफ्तों भर से डोभी रेलवे स्टेशन पर उठ रही मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए बुधवार को रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से उनके कार्यालय पर मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा गया रेलमंत्री से

डोभी के इतिहास के बारे में अवगत कराया गया मांगपत्र की गंभीरता को देखते हुए रेलमंत्री ने मामले को संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस मामले पर अतिशीघ्र अमल होगा।

## पुलिस अधीक्षक ने की चुनाव में लगे पुलिस बल, पीएसी बल तथा केन्द्रीय बलों के अधिकारियों/कर्मचारियों की ब्रीफिंग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विधान परिषद चुनाव 2022 की घड़ी अब नजदीक आ गई है और इसे बिना किसी परेशानी और सहजता से पूर्ण करने के लिए जिला प्रशासन ने

के अधिकारियों/कर्मचारियों की ब्रीफिंग की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस बल को चुनाव को सकुशल शांतिपूर्ण तथा निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित



अपनी कमर कस ली है और तैयारियों को आखरी जामा पहनाया जा रहा है। ऐसे में 9 अप्रैल 2022 को जनपद में होने वाले विधान परिषद चुनाव के सम्बन्ध में आज दिन गुरुवार 7 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक द्वारा चुनाव में लगे पुलिस बल, पीएसी बल तथा केन्द्रीय बलों

किया गया। चुनाव के दौरान ड्यूटी पर सतर्कतापूर्वक एवं मुस्तैद रहने हेतु प्रेरित किया गया। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल अपने उच्चाधिकारीगण को अवगत कराने हेतु भी पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया।

## भाजपा सभासदों ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर माल्यार्पण कर चिकित्सकों को किया सम्मानित-पुष्प वर्षा कर पूरे चिकित्सकीय टीम का स्वागत कर हौसला बढ़ाया

प्रखर रामनगर वाराणसी। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अरुण कुमार सहित चिकित्सकों की टीम का माल्यार्पण कर भाजपा सभासद संतोष शर्मा एवं पूर्व सभासद कुसुम लता शर्मा ने स्वागत किया एवं वहां पर उपस्थित चिकित्सक की टीम पर पुष्प वर्षा कर हौसला बढ़ाते हुए स्वागत किया। भाजपा सभासद संतोष शर्मा का कहना था कि आज बड़े गौरव की बात है की विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में पूरा विश्व मना रहा है। कोरोना जैसे संकटकाल में जहां लोगों का निकलना मुश्किल था वहां पर यह चिकित्सक अपनी जान को जोखिम में डालकर लोगों का

इलाज कर रहे थे। चिकित्सक घर परिवार छोड़कर कोरोना महामारी के समय अपने कार्यों का निर्वहन करते रहे चिकित्सक भगवान का स्वरूप होता है कितनों का इलाज कर जान बचाते हैं। आज के दिन ऐसा मौका है की हर व्यक्ति का कर्तव्य बनता है की चिकित्सकों का हौसला अफजाई कर सम्मानित करें। कार्यक्रम का संचालन भाजपा सभासद रिशेस पाल गौतम ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा सभासद संतोष शर्मा पूर्व सभासद कुसुम लता शर्मा भाजपा सभासद रिशेस पाल गौतम रामनरेश सोनकर डॉ एस बी एस कुशश्रवाठी डॉक्टर रामाज्ञा यादव डॉक्टर नरेंद्र शर्मा नर्स निर्मला सिंह माधुरी रामनारायण शर्मा आदि लोग थे।

## महिला ने लगायी फांसी

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मंडुवाडीह क्षेत्र के नई बस्ती लहरतारा में महिला ने सांध्य परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी मिली जानकारी के अनुसार नई बस्ती लहरतारा क्षेत्र में रवि पंडेय के मकान में दिलीप चंद्र भारती को रेलवे में टेक्नीशियन पद पर तैनात हैं अपनी पत्नी संगीता देवी के साथ रहते थे। दिलीप ने बताया की उनकी पहली पत्नी की मौत हो गयी थी और लगभग 3 वर्ष पूर्व रावतपुर कानपुर निवासिनी संगीता से उनकी दूसरी शादी हुई थी। पहली पत्नी से 3 पुत्र थे जिनकी शादी हो चुकी है। दिलीप ने बताया की बुधवार की रात पत्नी संगीता से खाने को लेकर विवाद हो गया और गुरुवार की सुबह दिलीप के अनुसार उन्होंने देखा कि संगीता साड़ी के सहारे फंदे से लटक रही थी जिस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी, मौके पर मंडुवाडीह थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह व लहरतारा चौकी इंचार्ज मनोज कुमार पहुंचे और फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य संकलन किया।

## मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम सहभागिता देने वालों का दिया गया प्रशस्ती पत्र

प्रखर मीरजापुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के तहत मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी स्वीप श्रीक्षमी वीएस के द्वारा चलाये मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सहभागिता प्रदान करने वालों को जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्ष्मण ने आज प्रशस्ती पत्र प्रदान किया। जागरूकता अभियान पर गीत के द्वारा प्रचार प्रसार करने पर मतदाता जागरूकता पर आधारित गीतकार/जिला कमाण्डेड होमगार्ड श्री बी0के0 सिंह को प्रशस्ती पत्र एवं अंग वस्त्र प्रदान का सम्मानित किया गया। इसी क्रम में मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत चलाये गये कार्यक्रम एक जनपद उक



उत्पाद पर फोटोग्राफी करने पर प्रथम पुरस्कार दैनिक जागरण फोटोग्राफर श्री अनुपम को अंग वस्त्र व प्रशस्ती पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में गायिका संजू सिंह के अनुपस्थित रहने पर उन्हें प्रशस्ती पत्र व अंग

वस्त्र जिला कमाण्डेड होमगार्ड श्री बी0के0 सिंह को प्रदान को दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी अरविन्द कुमार, क्वार्टिटर स्वच्छ भारत मिशन श्री विनोद कुमार उपस्थित रहे।

## दिनेशलाल यादव निरहुआ, आम्रपाली, श्रुति राव की फिल्म 'राजा डोली लेके आज' का नया लुक वायरल

प्रखर दानगंज वाराणसी। भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेशलाल यादव निरहुआ, यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे और श्रुति राव स्टार भोजपुरी फिल्म राजा डोली लेके आज नया लुक सोशल मीडिया में लॉन्च कर दिया गया है। जोकि काफी वायरल हो रहा है, केन्द्रीय भूमिका

में दिनेशलाल यादव, आम्रपाली दुबे और श्रुति राव हैं। फिल्म के नया लुक पोस्टर में दिखाया गया है कि दिनेश लाल यादव निरहुआ लाल शेरवाती पहने हुए माथे पर लाल टीका लगाए हुए हैं। उनके दाहिने तरफ दुल्हन के सिंगार में सजी-धजी नाक तक सिंदूर लगाए हुए नखों से लदी आम्रपाली दुबे हाथ में पूजा की थाल लिए हुए खड़ी हैं।



बायीं तरफ श्रुति राव साधारण साड़ी पहने हुए बिना श्रृंगार किए हाथ में पूजा की साधारण थाली लिए हुए देख रही हैं। पोस्टर के बैकग्राउंड बनारस के घाट और मंदिर का प्रतिबिंब दिखाई दे रहा है। पोस्टर से यह लग रहा है कि शायद

फिल्म क्रिश्नस बैनर के तले बनाई गई सम्पूर्ण पारिवारिक भोजपुरी फिल्म राजा डोली लेके आज का निर्माण बिम लेबल पर किया गया है। फिल्म के निर्माता दिनेश मिश्रा हैं। फिल्म के कुशल निर्देशन की बागडोर सुलझे हुए निर्देशक सुजीत कुमार सिंह ने सभाली है। फिल्म के लेखक वीरू ठाकुर हैं। संगीतकार मधुकर आनन्द व रानीश मिश्रा, गीतकार प्यारेलाल यादव कविजी, सचिवादायक कवच, सत्या सावरकर, आशुतोष तिवारी व संतोष उपाती हैं। छायांकन फिरोज खान, संकलन दीपक जऊल, नृत्य कानू मुखर्जी व संयोज कोंवें का है। निर्माण निबन्धक प्रशांत द्विवेदी व विनोद यादव, कार्यकारी निर्माता राम कोमल सिंह यादव हैं। इस फिल्म के मार्केटिंग हेड विजय यादव हैं। सह निर्देशक रवि तिवारी व कुन्दन सिंह हैं। फिल्म का प्रचार प्रसार आरआरजे मीडिया कर रही है। फिल्म के मुख्य कलाकारों के शानदार अभिनय से सजी यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों के स्वस्थ मनोरंजन को ध्यान में रखकर निर्मित की गई है। सम्पूर्ण पारिवारिक भोजपुरी फिल्म राजा डोली लेके आज की पूरी शूटिंग उत्तर प्रदेश के वाराणसी और सोनभद्र के विभिन्न रमणीय क्षेत्रों में की गई है। पारिवारिक समावेश की कहानियों से सजी भोजपुरी फिल्म देखने के लिए यह फिल्म एक बेहतर ऑप्शन हो सकती है।कमला

## बायोफ्लेवोनोइड्स: स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण संसाधन- साइंटिस्ट डॉ. मयंक

प्रखर अदलहाट मिजापुर। बीएचयू के राजीव गांधी साउथ कैंपस बरकच्छ में गुरुवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय प्रथम पैरामेडिकल अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अमेरिका से भारतीय मूल के वैज्ञानिक डॉ. मयंक सिंह ने वेबिनार के माध्यम से जुड़कर बायोफ्लेवोनोइड्स के बायोफार्मासिटिकल मापदंडों को बढ़ाने में नैनो तकनीक के आकर्षक अनुप्रयोग पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। व्याख्यान में डॉ. मयंक ने श्रोताओं को आयुर्वेदिक प्रणाली का विज्ञान परिचित कराया। उन्होंने विस्तार से महर्षि चरक द्वारा (2000 साल पहले) कण अकार में कमी के लिए नैनो तकनीक के उपयोग तथा प्राचीन काल की नैनो-औषधि का वर्णन किया और उनके लाभों के बारे में बताया जिस पर भाजपी भ्रम (स्वर्ण भ्रम, रजत भ्रम, ताम्र भ्रम, पीतल भ्रम, शंख भ्रम, नगा भ्रम इत्यादि) के नाम से जाना जाता है। डॉ. मयंक ने आज की नैनो तकनीक का परिचय दिया और कहा



कि 1959 में अमेरिका के कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (केल-टेक) की बैठक में नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी की शुरुआत भौतिक वैज्ञानिक रिचर्ड फेनमैन द्वारा देवर इज प्लेटी ऑफ रूम एट द बॉटम (तल पर बहुत जगह है) शीर्षक से हुई। बाद में जापान के टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस के प्रोफेसर नोरियो तानिगुची द्वारा 1974 में नैनो-टेक्नोलॉजी शब्द के गढ़ने का वर्णन किया। डॉ. मयंक ने नैनो टेक्नोलॉजी के बुनियादी सिद्धांतों पर चर्चा करते हुए इसके अनुप्रयोग से भविष्य के वैश्विक

मानव स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने पर उम्मीद की। उन्होंने यह भी बताया की, 1990 के दशक के बाद से खाद्य या फोर्टिफाइड खाद्य उत्पादों में वैश्विक रुचि बढ़ रही है जो न केवल आहार के पुरक है बल्कि बीमारी के इलाज या रोकथाम में भी सहायता करते हैं, इस प्रकार कुछ चिकित्सा लाभ प्रदान करते हैं। इस सामान्य क्षेत्र को "न्यूट्राम्यूटिकल्स" कहा जाता है। इस क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण फल और सब्जियों से भरपूर आहार में पाए जाने वाले कुछ सक्रिय तत्व हैं (रेस्वेराट्रोल, करक्यूमिन, सिलीमारिन, नारिनजेनिन, क्वेर्सेटिन इत्यादि) जिन्हें "बायोफ्लेवोनोइड्स" कहा जाता है। बायोफ्लेवोनोइड्स आम तौर पर खट्टे फल, चाय, वाइन, डार्क चॉकलेट, मसाले, बीस, नट्स, बीज के साथ-साथ अधिकांश फलों और सब्जियों में पाए जाते हैं। वे कई स्वास्थ्य लाभों को बढ़ावा देने में फायदेमंद हैं जैसे; एंटीऑक्सिडेंट, कार्बोहाइड्रेट चयापचय प्रमोटर, प्रतिरक्षा प्रणाली न्यूनाधिक, रक्त

परिसंचरण का समर्थन, पीलिया, हेपेटाइटिस, पित्ताशय की थैली विकारों को दूर करने के लिए और उच्च विरोधी के रूप में। उन्होंने बताया की, खराब जलीय घुलनशीलता, शारीरिक माध्यम में अस्थिरता और कम मौखिक जैव उपलब्धता के कारण, बायोफ्लेवोनोइड्स का व्यापक उपयोग और स्वीकृति एक चुनौती रही है। इस प्रकार, इन चुनौतियों को दूर करने के लिए कुछ नैनो-प्रौद्योगिकी सिद्धांतों (डेंड्रिमर/सर्पेंशन नैनोटेक्नोलॉजी इत्यादि) के अनुप्रयोग पर चर्चा किया, जिससे भविष्य के वैश्विक मानव स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद जताई और सबके मंगल स्वस्थ की कमाना की गई। मयंक मूल रूप मिजापुर जिले के ग्राम बगही चुनौती के रहने वाले हैं। वर्तमान में, डॉ. मयंक संयुक्त राज्य अमेरिका में मिशिगन राज्य के माउंट क्लेमेंट शहर में नैनोसिंथेसिस के नेशनल डेंड्रिमर एंड नैनो टेक्नोलॉजी सेंटर में एक पंजीकृत औषधि वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. मयंक को विशेष रूप

से संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा असाधारण क्षमता और उपलब्धियों के साथ उनकी वैज्ञानिक साख के लिए मान्यता प्रदान की गई है। डेंड्रिमर नैनोटेक्नोलॉजी के सह-आविष्कारक है, जिन्होंने डॉ. अप्प चौहान और

डॉ. टोमालिया, के साथ मिलकर इसकी विकास और प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है और बताया की इन निष्कर्षों ने "न्यूट्राम्यूटिकल्स/बायोफ्लेवोनोइड्स की श्रृणियों के क्षेत्र में एक नई अवधारणा खोली है।

## रेलमंत्री ने सांसद को दिया आश्वासन डोभी स्टेशन पर रुकेगी सुहेलदेव ट्रेन, खुलेगा टिकट आरक्षण केंद्र

प्रखर चंदवक, जौनपुर। औड़िहार जौनपुर रेल प्रखंड पर स्थित डोभी रेलवे स्टेशन पर महाराजा सुहेलदेव सुपरफास्ट एक्सप्रेस व माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस साप्ताहिक के साथ ही टिकट आरक्षण केंद्र अतिशीघ्र खोला जाएगा इसका आश्वासन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद बी पी सरोज को मांग पत्रक देने दौरान गुरुवार को दिया। गौरतलब हो कि डोभी स्टेशन पर गाजीपुर से आनंद बिहार टर्मिनल नई दिल्ली जाने वाली सुहेलदेव सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन अगस्त 2018 में संचालन के समय से ही डोभी स्टेशन पर रुकती थी लेकिन विगत तीस मार्च से इसका ठहराव बंद कर दिया गया।अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आन रेकोर्ड इसका ठहराव डोभी स्टेशन पर नहीं था जिसकी शिकायत किसी ने विभाग में कर दी थी जिसके कारण बंद कर दिया गया ठहराव बंद होने से बीस किमी परिधि के यात्रियों को परेशानी होने लगी जिसका संज्ञान लेते हुए समाजसेवी अजीत सिंह ने ग्यारह सौ लोगों के हस्ताक्षरित ज्ञापन सांसद बी पी सरोज को सौंपा जिसमें डोभी स्टेशन पर सुहेलदेव एक्सप्रेस, गाजीपुर से कटरा जानेवाली माता वैष्णो देवी एक्सप्रेस के ठहराव के साथ ही टिकट आरक्षण केंद्र खोले जाने की मांग सम्मिलित थी। सांसद बी पी सरोज ने मांगपत्र की गंभीरता को देखते हुए इस संदर्भ में गुरुवार को रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से उनके कार्यालय में मुलाकात के दौरान मांगपत्र सौंपा जिसका संज्ञान लेते हुए मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया।

## संक्षिप्त खबरें

### विजली के शार्ट सर्किट से 3

### किसानों की फसल जलकर राख

प्रखर अहरोरा मिजापुर। थाना क्षेत्र के धुरिया गांव में गुरुवार की दोपहर जमालपुर फिटर के गप हुए सप्लाई की बिजली की शार्ट सर्किट से गेहूँ की खड़ी फसल आग लगने से तीन किसानों की फसल जलकर राख हो गयी ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया बताया जाता है की गुरुवार की दोपहर खेत के ऊपर से गुजरे विद्युत तार ढीला होने के चलते दोपहर हवा तेज होने से विद्युत तार आपस में टच हो गये जिससे निकली चिंगारी से खेत में आग लग गयी वही हुसैनपुर बिचर को गप सप्लाई लाइन से भी चिंगारी गिरने की वजह से अन्य 2 लोग किसानों के खेत में भी आग लग गया जिससे मायापति कालिदास सद्दुपाल का गेहूँ जलकर राख हो गया किसान नेता भाकियू के प्रदेश सचिव प्रह्लाद सिंह व ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया किसान नेता के सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल ने जांच कर तहसीलदार को रिपोर्ट सौंपा अमालगी की घटना में फायर ब्रिगेड की गाड़ी न पहुंचने से किसानों का गुस्सा फायर ब्रिगेड के प्रति सातवें आसमान पर रहा है।

### एमएलसी प्रत्याशी सुभाष यदुवंश की

### होगी ऐतिहासिक जीत- चिक्कन सिंह

प्रखर सन्तकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भाजपा खेल संघ के जिलाध्यक्ष व क्षेत्र पंचायत सदस्य पीली राकेश सिंह उर्फ चिक्कन सिंह ने कहा कि एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुभाष यदुवंशी की ऐतिहासिक जीत होगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह से देश व प्रदेश में विकास का रफ्तार बढ़ा है उसी का परिणाम है कि विधान परिषद के चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी सुभाष यदुवंशी सुयोग्य कर्मठ एवं पार्टी के प्रति वफादारी का जो जिम्मेदारी निभाया है उसी का परिणाम है कि जिले के सभी प्रतिनिधि भाजपा प्रत्याशी को जिताने के लिए पूरी ताकत के साथ खड़े है। श्री सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा कएए गप विकास कार्य व सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने है। जिसके चलते प्रदेश के लोगों ने दोबारा से भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास जताते हुए पार्टी को प्रदेश में प्रचंड बहुमत दिया है। उन्होंने कहा कि नै अप्रैल को विधान परिषद सदस्य के चुनाव के लिए मतदान होना है। सब लोगों को मिलकर पार्टी की प्रत्याशी सुभाष यदुवंशी को भारी वोटों से विजय बनाना है।

### बलिया में पत्रकार की रिहाई व उल्टीइन को लेकर संत कबीर

### नगर मुख्यालय के पत्रकारों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

प्रखर संत कबीर नगर। बलिया में बोर्ड प्ररीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की घटना को लेकर संत कबीर नगर जिले मुख्यालय के पत्रकार पवन कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। साथ ही वरिष्ठ पत्रकार पवन श्रीवास्तव ने कहा की पूरे प्रकरण की निष्पक्षता से जांच करा कर व गिरफ्तार पत्रकार को रिहा करने और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग उठाई। बृहस्पतिवार को खलीलाबाद कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंच कर पत्रकारों ने उक्त मांग करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। इस दौरान पत्रकारों ने कलेक्ट्रेट परिसर में बलिया प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। बलिया के निर्दोष पत्रकार अजीत ओझा, दिग्विजय सिंह और मनोज गुप्ता को तत्काल रिहा करने की मांग उठाई। शैलेंद्र मणि, रमेश शर्मा, केके मिश्रा, अमित पांडे, देवी लाल गुप्ता, विजय गुप्ता, आलमगौर, सत्या राय, जितेंद्र पाठक, विनोद भारद्वाज, मिथिलेश धुरिया, राजेश कुमार, पुनीत मिश्रा, अमरीश सहित आदि लोग मौजूद रहे।

### पर्यटक स्थल लखनिया दरी के जंगल में लगी आग, आग बुझाने में लगी पुलिस



प्रखर अहरोरा मिजापुर। लिखनिया दरी पर्यटक स्थल के जंगल में तेज धूप के कारण किसी तरह आग लग गई है जो भयानक रूप लेती जा रही है। स्थानी पुलिस वन विभाग की मदद से आग बुझाने का प्रयास कर रहा है। लिखनिया दरी के घनघोर जंगल में इस भयंकर गर्मी में अचानक बुधवार की शाम आग जाने से पूरे जंगल के पेड़ पौधे झाड़ पतवार जलने लगा स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने अपने स्तर से आग बुझाने का भरसक प्रयास किया कुछ हद तक पुलिस कर्मियों ने अपने प्रयास से आग पर काबू पा लिया था। स्थानीय पर्यटक स्थल पर अक्सर सैलानी भारी संख्या में आते हैं गर्मी के दिनों में सैलानियों की आमद संख्या कम ही होती है।संभवत आग अपने से भी लगी हो सकती है या तो किसी सैलानी द्वारा सैर सपाटा करने के बाद छोड़कर जाने वाले आग की वजह से आग लगने का कारण हो सकता है। फिलहाल लखनिया दरी के जंगल में लगी आग को पुलिस एवं वन विभाग ने काफी परिश्रम के बाद बुझाने में कामयाब रहे।

### वरिष्ठ समाजसेवी जेपी शुक्ला का

### निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के बेहडा गाँव निवासी वरिष्ठ समाजसेवी पण्डित जयप्रकाश शुक्ला के निधन से केराकत क्षेत्र में शोक की लहर लौड़ गई। बेहडा गाँव निवासी जयप्रकाश शुक्ला का जन्म बेहडा गाँव में हुआ था बचपन से ही बहुमुखी प्रतिभा के धनी जयप्रकाश शुक्ला की प्राथमिक शिक्षा गाँव के ही प्राथमिक विद्यालय में हुई, उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद देश की सेवा का जज्बा लेकर भारतीय सेना में सेवा करने लगे, अवकाश के बाद अपने पैतृक गाँव बेहडा में आकर ग्रामवासियों की सेवा में अपने आपको समर्पित कर दिया, ग्रामवासियों के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किये, जेपी शुक्ला चार भाइयों में सबसे बड़े थे, जयप्रकाश शुक्ला का निधन देर रात शर सुंदरलाल चिकित्सालय बीएचयू में हुआ, निधन की खबर पाकर क्षेत्र के तमाम गड़मान्य लोगों ने उनके पैतृक निवास बेहडा में पहुँचकर श्रद्धांजलि अर्पित किया, जयप्रकाश शुक्ला का अंतिम संस्कार वाराणसी स्थित मरनिकर्णिका घाट पर किया गया, मुखामिन उनके स्वयंसे छोटे भाई शिवप्रकाश शुक्ला ने दिया।

### काली मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

प्रखर चंदवक, जौनपुर। क्षेत्र के तराव गाँव स्थित प्राचीन माँ काली मंदिर का जीर्णोद्धार क्षेत्र के सम्मानित व अत्यापक आलोक कुमार सिंह रघुवंशी (बच्चा) ने भव्य तरीके से कराया जिसके उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने उपस्थित हो प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर अनुपम सिंह, संजय सिंह, राणा बहादुर सिंह, अरविंद, वीरेंद्र राम, देवेंद्र सिंह दादा सहित अन्य लोग रहे।

# कम्बाईन हार्वेस्टर मशीन/भूसा मशीन स्वामी सावधानी से रबी फसल कटाई/भूसा बनाने का कार्य करें : डीएम

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जनपद के समस्त किसान भाईयों को सूचित किया है कि वर्तमान समय में गेहूँ की फसल तैयार हो चुकी है, जिन्हें कृषकों द्वारा कम्बाईन मशीन एवं हाथों से काटा जा रहा है। किसानों द्वारा कम्बाईन मशीन के साथ भूसा बनाने की मशीन (स्ट्रॉ रिपर) से गेहूँ के बचे हुए डण्डल को काटकर भूसा बनवाया जा रहा है। क्षेत्रों से शिकायत प्राप्त हो रही है कि स्ट्रॉरिपर मशीन से चिंगारी निकलने से फसल एवं अवशेष में आग लग रही है जिससे आस-पास के गेहूँ की खड़ी फसल में भी आग लगने से भारी हानि/क्षति हो रही है। डक के दृष्टिगत जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जनपद के किसान भाईयों से अपील किया है कि भूसा बनाने की मशीन (स्ट्रॉ रिपर) का प्रयोग ऐसे क्षेत्र में ही किया जाये जहाँ गेहूँ फसल की कटाई लगभग समाप्त हो चुकी है, अथवा जहाँ

भूसा बनाने का कार्य किया जा रहा है और उसके आस-पास के खेत में गेहूँ की कटाई समाप्त हो चुकी हो। भूसा बनाने के कार्य से पूर्व भूसा मशीन की आवश्यक मरम्मत एवं ऑयलिंग/ग्रीसिंग करा ली जाए ताकि मशीन में तकनीकी समस्या के कारण आग लगने की सम्भावना को खत्म किया जा सके। साथ ही कटाई के समय भूसा मशीन के साथ आग बुझाने वाल यंत्र/(फायर स्ट्रीम्यूसर) तथा पर्याप्त मात्रा में पानी का टैंक/ड्रम को साथ में रखा

जाये इसके साथ ही फसल कटाई की समय निकटस्थ ट्यूबवेल से पानी की उपलब्धता के संबंध में आवश्यक सुविधाएं/व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भूसा मशीन स्वामी आग बुझाने वाला यंत्र (फायर स्ट्रीम्यूसर) को भूसा बनाते समय साथ में रखें। फसल कटाई के समय प्रयोग किए जा रहे हैं यंत्र में किसी मरम्मत की आवश्यकता पड़ने पर यंत्र को फसल से दूर खाली स्थान पर रखकर मरम्मत किया जाए। भूसा

मशीन/ट्रैक्टर/कम्बाईन हार्वेस्टर/स्ट्रॉ रिपर/शेपर इत्यादि के यंत्रों के प्रयोग से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि इसमें किसी प्रकार की टूट-फूट न हो, कोई नट-बोल्ट ढीला न हो, किसी प्रकार का ऑयल लीकेज न हो, बैटरी/स्टार्टर सभी वायर कनेक्शन अच्छी प्रकार से लगे हो/काम कर रहे हो ताकि स्पार्क से चिंगारी निकलने की संभावना नहीं हो। साइलेंसर पर स्पार्क अरेस्टर लगाना सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी रहता है।

खेत के आस-पास स्वयं अथवा अन्य किसी व्यक्ति/मजदूर/यंत्र चालक को धूमपान करने से रोके, साथ ही सुलगती हुई अवशेष बीड़ी/सिगरेट इत्यादि को खेत के आस-पास किसी भी दशा में नहीं फेंके एवं किसी को ऐसा करने से रोके। रबी फसलों की कटाई/मड़ाई का कार्य शीघ्रता एवं सावधानी पूर्वक करें, ताकि आग लगने की घटनाओं को पूर्णतः रोका जा सके। साथ ही खेत के आस-पास पड़े अवशेष का बायो डिकम्पोजर से

सड़ाकर जैविक खाद बनाये जिलाधिकारी ने कम्बाईन हार्वेस्टर मशीन/भूसा मशीन स्वामियों को निर्देशित किया है कि फसल कटाई/भूसा बनाने के कार्य के समय अनिवार्य रूप से उपर्युक्त सावधानियों के साथ अन्य आवश्यक सावधानियों को बरतें अन्यथा की दशा में आग लगने पर सम्बंधित मशीन स्वामी की भी जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए उसके विरुद्ध कार्यावाही की जायेगी।

## संक्षिप्त खबरें

**ई-रिक्शा चालकों ने सड़क पर कर रखा है अपना कब्जा, बीच सड़क खड़ा करते हैं अपना रिक्शा**



प्रखर जौनपुर। नगर के भंडारी स्टेशन के ठीक बाहर ई-रिक्शा चालकों ने लंबे सड़क अपना कब्जा जमा रखा है बीच सड़क रिक्शा चालक अपना रिक्शा लंबे सड़क पर खड़ा कर दिन भर यातायात को करते रहते हैं बाधित, कभी कभी तो स्टेशन से बाहर आने वाले यात्रियों को बैठाने को लेकर आपस में जमकर एक दूसरे से करते हैं नोकझोंक, वहीं ई-रिक्शा चालकों की मनमानी के कारण गलत तरीके से बीच सड़क रिक्शा खड़ा करने के कारण आये दिन स्टेशन रोड जाम के झाम से जूझता रहता है जिसकी तरफ यातायात विभाग अधिकारियों की नहीं पड़ती है नजर, वहीं दूसरी तरफ साफ तौर पर देखा जा सकता है कि जिला प्रशासन के निर्देशों के बावजूद अलग अलग रुट पर चलने के लिए सभी ई-रिक्शा चालकों को निर्देशित किया गया है जिसके लिए उन्हें रुट पास जारी भी हुआ है उसके बावजूद प्रेच नगर में मनमाने ढंग से ई-रिक्शा चालकों का लगा रहता है जबरदस्त रैला, जिसके तरफ यातायात विभाग को विशेष ध्यान देने की है आवश्यकता, अब देखना यह है की ई-रिक्शा के कारण लग रहे जाम के झाम से लोगों को कैसे मिलेगी निजात।

**मंदिर में हुए हमले को लेकर लेहड़ा**

**मंदिर की बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था**

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज ब्यूरो। पूर्वांचल के प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर में बीते दिनों एक आतंकी द्वारा गोरखपुर मंदिर के पुलिस पर हमले की घटना के मद्देनजर महाराजगंज जनपद में स्थित लेहड़ा देवी मंदिर पर चैत्र नवरात्रि में दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना के दृष्टिकोण से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस महानिदेशक मंदिर पहुंच कर जायजा लिया तथा मंदिर परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। एडीजी महोदय को अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार व क्षेत्राधिकारी / पुलिस उपाधीक्षक सुनील दुबे द्वारा मंदिर की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। सुरक्षा की दृष्टिकोण से पहले से ही चार थाने की पुलिस एवं एक महिला थानाध्यक्ष की तैनाती है। तथा घटना के बाद हर जगह सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए सशस्त्र सीमा बल टीम के साथ पुलिस द्वारा क्षेत्र में पैलेग माफ किया जा रहा है। अपर पुलिस महानिदेशक महोदय के आदेश के अनुपालन में 24 घंटे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को चेकिंग के उपरांत ही मंदिर में प्रवेश करने दिया जाएगा साथ ही मंदिर में चेकिंग के लिए डी एम एफ डी व एच एम एफ डी लगाया जाएगा। उक्त जानकारी बुजमनगंज थानाध्यक्ष चंद्रहास मिश्रा ने दी।

**उत्तर प्रदेश औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कर्मचारी संघ की जिला शाखा करौंदी वाराणसी का चुनाव संपन्न**

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। उत्तर प्रदेश औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कर्मचारी संघ की जिला शाखा करौंदी का द्विवार्षिक अधिवेशन व चुनाव, चुनाव अधिकारी शशिकान्त श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा संपन्न कराया गया। जिसमें श्री पी सी राय (अध्यक्ष) तिलकधारी राम (मंत्री) शिव कुमार सिंह (कोषाध्यक्ष) निर्वाचित घोषित किए गए। अधिवेशन में श्री अखिलेश कुमार सिंह, (प्रदेश अध्यक्ष) विक्रम सिंह (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) सभाजीत यादव, उमेश नारायण सिंह (उपाध्यक्ष गण) विनय कुमार सिंह (संयुक्त मंत्री) अखिलेश्वर पांडेय (मंडल सचिव) जनार्दन सिंह (संरक्षक), अजित श्रीवास्तव, देवेन्द्र कुमार सिंह, शुभम सिंह, गुड्डू मौर्य, राम सहोदर सिंह, भी एन शुक्ला, नम्रता सिंह, नीरज श्रीवास्तव आदि ने सम्बंधित किया।

**भीषण गर्मी के चलते विद्यालय संचालन के समय परिवर्तन आवश्यक - सनत कुमार सिंह**

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। सनत कुमार सिंह जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ वाराणसी ने बताया कि परिषदिय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संचालन का समय 01 अप्रैल से 30 सितंबर तक प्रातः 8:00 से 2:00 बजे तक निर्धारित है। वर्तमान समय में तापक्रम बढ़ने से गर्मी दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। ऐसी स्थिति में विद्यालय के संचालन का समय परिवर्तन किया जाना आवश्यक है। जिला मंत्री कैलाश नाथ यादव ने मांग की है कि वर्तमान समय में दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालयों के संचालन का समय 07:00 से 11:00 बजे तक निर्धारित किया जाना आवश्यक है। प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा जिलाधिकारी से समय परिवर्तन की मांग की है।

**नवनियुक्त प्राचार्य का भव्य स्वागत समारोह**

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। हरिश्चंद्र पी पी कॉलेज वाराणसी में नवनियुक्त प्राचार्य प्रो (डॉक्टर) रजनीश कुंवर का स्वागत समारोह कला संकाय के अध्यापकों ने जोरदार तरीके से किया। इस अवसर पर नव नियुक्त प्राचार्य ने कहा की महाविद्यालय में जो भी समस्याएं आएगी उन सभी का यथा संभव निदान किया जाएगा एवं विश्वविद्यालय से सामंजस्य बना कर महाविद्यालय में विकास की धारा को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। स्वागत समारोह में मुख्य रूप से डॉक्टर पंकज सिंह, डॉक्टर विश्वनाथ वर्मा, डॉक्टर जगदीश सिंह, डॉक्टर महिमा मिश्रा, डॉक्टर अनुपम शाही, डॉक्टर शिवानंद यादव, डॉक्टर ऋचा सिंह, डॉक्टर रामाशीष, डॉक्टर सुदीप सिंह, डॉक्टर सोमा सिंह, डॉक्टर पूर्णिमा पाल, डॉक्टर सदानंद यादव, डॉक्टर मनीष उपाध्याय इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

## बिजली के शार्ट सर्किट से गेहूँ के खड़े फसल में आग लगने से जलकर खाक

प्रखर मिजापुर। जमालपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डेल वास पूर पूर्वी तरफ बियार भाई मार्ग के पश्चिम किसान जगदीश सिंह का लगभग 4 बीघा तथा रामबृक्ष सिंह का लगभग 2 बीघा यानि कुल 6 बीघा खड़ा गेहूँ का फसल बिजली के शार्ट सर्किट से जल गया। दोनों किसान जगदीश सिंह व रामबृक्ष सिंह द्वारा बंटाई पर जमीन लेकर खेती किया गया है। खेत के उपर से 11000 की लाईन का तार गया है जो काफी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है, जिसको सही करने के लिए बार-बार विभाग को बताया जा चुका है लेकिन विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने से शार्ट सर्किट से आग लग गया। आग लगने पर गांव के सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए



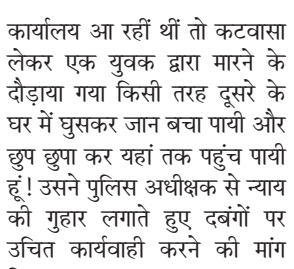
तथा बाल्टी, लकड़ी के झाड़, आग लगने वाले क्षेत्र से आगे ट्रैक्टर से जुताई कर आग पर नियंत्रण पाया गया। फिर भी दो किसानों का लगभग 6 बीघा गेहूँ का फसल जल गया। आस-पास बहुत सारे किसानों का गेहूँ, चना, मसुर आदि का फसल खलिहान सहित खेत में पड़ा हुआ है, लेकिन ग्रामीणों की तत्परता से आग पर नियंत्रण पाये

जाने से बहुत बड़े जन-धन की हानि होने से बचा जा सका। जानकारी होने पर अन दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर कर सक्षम अधिकारियों से बात कर सूचित किया गया तथा पीडित किसानों को प्रयाप्त क्षतिपूर्ति दिये जाने के लिए शासन से आग्रह किया गया।

## दबंगों द्वारा जबरन जमीन कब्जा करने पर महिला ने लगायी पुलिस अधीक्षक से गुहार

प्रखर मिजापुर। थाना कटरा कोतवाली अंतर्गत नटवाँ निवासी सुशीला देवी पत्नी मंशा राम यादव ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कहा कि दिनांक 6 अप्रैल को मुहल्ले के ही कुछ दबंग लोगों द्वारा मेरे घर के टीन शेड में ताला बन्द कर दिया। वहाँ बगल में गाय के लिए गोशाला बना हुआ है जिसमें मेरी तीन गाय बांधी जाती है गाय को लाठी डंडे से मारकर उनके ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने लगे जिसका विरोध मुहल्ले के लोगों के द्वारा किया गया। उसने बताया कि हम

भद्री भद्री गालियां दे रहे थे तथा धमकी दिया कि जिस तरह तुम्हारे लड़के को मार डाले उसी तरह तुम सब को मार डालेंगे। उसने बताया कि आज जब पुलिस अधीक्षक



कार्यालय आ रही थीं तो कटवासा लेकर एक युवक द्वारा मारने के दौड़ाया गया जिस तरह दूसरे के घर में घुसकर जान बचा पायी और छुप छुपा कर वहाँ तक पहुंच पायी हूँ। उसने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते हुए दबंगों पर उचित कार्यावाही करने की मांग किया।

**विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य पर सेवापुरी में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर केमप**

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य पर जन शिक्षण संस्थान, नेवादा द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिक विद्यालय, देईपुर, सेवापुरी में स्वास्थ्य शिविर केमप लगाया गया जिसमें वेदांश अस्पताल रोहनिया के डॉ विनोद वर्मा, ओम आयुर्वेदिक मेडिकल के डॉ अमित प्रकाश पटेल, हाथी बाजार इन्होंने अपना सहयोग दिया व बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जन शिक्षण संस्थान के प्रबंधक श्री पंकज राय जी ने की विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुश्री डॉ निशा यादव जिन्होंने संचालन किया तथा बच्चों को जागरूक किया। इस स्वास्थ्य शिविर में आम आदमी पार्टी रोहनिया की पूर्व प्रत्याशी श्रीमती पल्लवी वर्मा मुख्य अतिथि रही जिन्होंने सभी महिलाओं व बच्चियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया इसके साथ ही उन्होंने सभी को पढ़ाई के साथ अपनी रुचियों में आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया।

## कुनाल तिवारी की फिल्म 'तू दीया और बाती हम 2' की शूटिंग पूरी

**रामनवमी के अवसर पर आउट होगा भोजपुरी फिल्म 'तू दीया और बाती हम 2' का फर्स्ट लुक**

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। धीरेंद्र झा और गीता तिवारी प्रोडक्शन की सक्सेसफुल फिल्म 'तू दीया और बाती हम' का सीक्वल 'तू दीया और बाती हम 2' की शूटिंग पूरी हो गयी है। अब यह फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन फेज में है। इस फिल्म का फर्स्ट लुक इस रामनवमी और चैत्र नवरात्र के दिन रिलीज होगी। ये जानकार आज फिल्म के निमाता - निर्देशक धीरेंद्र झा ने दी उन्होंने बताया कि हमारी फिल्म 'तू दीया और बाती हम 2' बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि फिल्म का फर्स्ट पार्ट जहाँ से खत्म हुआ था, यह पार्ट वहीं से शुरू हो रहा है। यानी एक नया अध्याय। फिल्म के पहले पार्ट के सक्सेस के बाद हमने दूसरा पार्ट बनाने का फैसला लिया था, जिसकी शूटिंग हमने पूरी कर ली। हमने फिल्म की



शूटिंग यूपी के सोनभद्र जनपद की है फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का

तिवारी, काजल यादव और सोनालिका प्रसाद मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने एक बार फिर से सेट पर काफी पर्सिने बहाए हैं। इस फिल्म की आर्टिस्टिक प्रस्तुति काफी मनमोहक होने वाली है। गाणे से लेकर संवाद पहले पार्ट से भी आकर्षक हैं। इसलिए यह फिल्म दर्शकों को देखना चाहिए और हम आग्रह करते हैं कि वे हमारी फिल्म देखें। उन्होंने बताया कि फिल्म 'तू दीया और बाती हम 2' लेखक ओम प्रकाश यादव पीआरओ संजय भूषण पटियाला, कैमरामैन नागेंद्र कुमार प्रोड्यूसर धीरेंद्र कुमार झा व गीता तिवारी प्रोडक्शन, कार्यकारी निमाता - महेश उपाध्याय, प्रोडक्शन निबंधक आशीष दुबे और लाइन प्रोड्यूसर - शिव मिश्रा हैं।

काम मुंबई में शुरू हो चुका है। इस बार भी फिल्म में कुणाल

## ऑटो रिक्शा चालकों ने नगर निगम मुख्यालय पर किया प्रदर्शन अपर नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। ऑटो रिक्शा चालकों ने नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन कर अपर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा वाराणसी की ऑटो रिक्शा वेल्फेयर सोसाइटी के सदस्यों ने गुरुवार को स्वराज संस्था के प्रबंधक सचिव पूर्व पाषंढ विकास चंद्र तिवारी ऑटो युनियन के नेता घनश्याम यादव एवं श्री राजकुमार टुनटुन के संयुक्त नेतृत्व में सिगरा स्थित नगर निगम मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कर अपर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा ऑटो युनियन के नेता राजकुमार टुनटुन की अध्यक्षता में संस्था के प्रबंधक सचिव और पूर्व पाषंढ श्री विकास चंद्र तिवारी एवं श्री घनश्याम यादव

ने पत्रक देते हुए कहा कि वर्षों से पुराना बेनियाबाग काटो स्टैंड को ठेका से निरस्त कर दिया गया है जिसके कारण वहाँ हमेशा सवारी आयुक्त से वार्ता कर आपकी समस्या का समाधान करा दिया जाएगा प्रदर्शन एवं सभा में प्रमुख रूप से सर्वश्री विकास चंद्र तिवारी घनश्याम यादव राजकुमार टुनटुन अरुण कुमार पांडे विनोद सोनकर गोविंद सोनकर सत्येंद्र सिंह मुकेश एवं नीरंश खान बाबू भाई बादशाह खान रमाशंकर सुनील कुमार अंशु रहमान फेकू रहमान अब्बास हुसैन बाबू मोरे आदि लोग सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे कार्यक्रम का नेतृत्व स्वराज्य संस्था के प्रबंधक सचिव पूर्व पाषंढ विकास चंद्र तिवारी घनश्याम यादव ने संयुक्त रूप से किया कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राजकुमार टुनटुन ने किया।

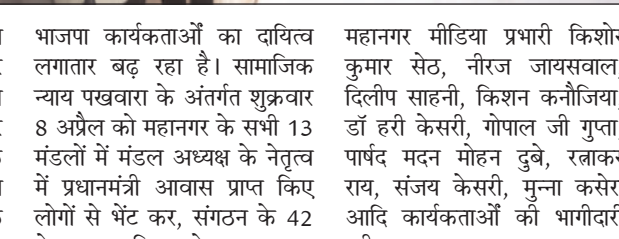
चढ़ाने तथा उतारने में ऑटो चालकों को दिक्कत हो रहा है तत्काल बेनियाबाग स्टैंड को चालू किया जाए जिससे चालकों को राहत मिल सके अपर नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि नगर

## भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान मरीजों में किया फल का वितरण

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय के नेतृत्व में "सामाजिक न्याय पखवार" के अंतर्गत गुरुवार को मंडलीय चिकित्सालय, कबीरचौरा में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा मरीजों में फल का वितरण किया। प्रारंभ में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं ने झाड़ू लगाकर सफाई किया तत्पश्चात राफ्टरब्र श्री शिव प्रसाद गुप्त की प्रतिमा की धुलाई व साफ सफाई कर, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर

जा रहा है, जिसके अंतर्गत पार्टी के कार्यकर्ता प्रत्येक दिन विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर सक्रिय रहेंगे। श्री राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मरीजों की आंखों को पहुंचाने वाली पार्टी है। वैश्विक दृष्टि से

उन्हें उपहार भेंट किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मंडलीय चिकित्सालय प्रबंधक की ओर से डॉ हरीचरण तथा संगठन की ओर से नवीन कपूर, जगदीश त्रिपाठी, डॉक्टर आलोक श्रीवास्तव,



भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व लगातार बढ़ रहा है। सामाजिक न्याय पखवार के अंतर्गत शुक्रवार 8 अप्रैल को महानगर के सभी 13 मंडलों में मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास प्राप्त किए लोगों से भेंट कर, संगठन के 42

वे स्थापना दिवस के अवसर पर

**बड़ागणेश मंदिर में हुआ संगीत संध्या का आयोजन**

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। लगभग 70 सालों से स्वर्णकारों द्वारा प्रारंभ किए गए श्री बड़ा गणेश जी के श्रृंगार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को वार्षिक श्रृंगार के अवसर पर देर रात तक संगीत संध्या का आयोजन किया गया। लगभग 70 साल पूर्व भैरवनाथ निवासी स्वर्गीय लुल्लू ली सेठ द्वारा वासन्तिक नवरात्रि में प्रारंभ किए गए श्रृंगार को उनके पुत्र स्वर्गीय मनाऊ सेठ द्वारा आयोजित किया जाता रहा। उनके निधन के पश्चात वर्तमान में उनके पुत्र अशोक कुमार सेठ (टोपी वाले) के नेतृत्व में उक्त कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ज्ञात हो कि यह कार्यक्रम चैत्र नवरात्रि में प्रथम बुधवार के दिन किया जाता है, जो सभी स्वर्णकार बंधुओं के सहयोग से यह कार्यक्रम होता चला आ रहा है। बुधवार की शाम श्री बड़ा गणेश जी महाराज का 56 लोगों से भोगों से श्रृंगार किया गया तत्पश्चात संगीत संध्या का आयोजन हुआ। आयोजन में

प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना डॉक्टर ममता टंडन, माता प्रसाद मिश्र, रवि शंकर मिश्र, सोनी सेठ तथा मांडवी मिश्रा ने कथक नृत्य की प्रस्तुति की। सागर मिश्रा के गायन के साथ प्रख्यात तबला वादक पंडित भोलानाथ मिश्र ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान आशीर्वाद संगीतालय पांडेय हवेली की डॉक्टर जया राय के संयोजन में छात्राओं ने लोक नृत्य की भी शानदार प्रस्तुति की। अभ्यासों का स्वागत संयोजक अशोक कुमार सेठ (टोपी वाले) तथा उनके दोनों पुत्र गणेश सेठ और राम बाबू सेठ ने किया। मालूम हो कि मानस सत्संग मंडल भैरवनाथ के संचालक अशोक कुमार सेठ (टोपी वाले) आज भी प्रत्येक रविवार को अपने आवास पर एक-दो घंटे रामचरितमानस का पाठ का आयोजन करते हैं। कार्यक्रम के दौरान गिरिश चंद्र सेठ, मदन सेठ, रविशंकर सिंह, राजेश सेठ, किशोर कुमार सेठ, राजू वर्मा, अनुज गौतम, ममता सेठ, रश्मि सेठ, पूजा सेठ, सोनी सेठ सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

# प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरुण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'

सकलनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001  
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

<b>सम्पादकीय कार्यालय:</b> 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001	<b>सम्पर्क सूत्र:</b> 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9452080867, +91-9452844802
--	---

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होंगे।  
**ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट**  
<https://prakharpurvanchal.com>  
 Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं